रूपांतरण की शक्ति

[भाई ब्रन्हम और भक्त मंडली *केवल विश्वास* के गाने को गुनगुनाते हैं—सम्पा।]

2 किसी के लिए यह बहुत कठिन है कि इस प्रकार के समय में, स्वयं का भाव प्रगट करे, यह कहते हुए यहां आज प्रात: के सौभाग्य को कि यहां पर हूं कैसे सरहाना करूं, और—और आप लोगों के मध्य, परमेश्वर के वचन की सेवा करना, जिसके लिए मैं निश्चित हूं कि आपको इसकी जानकारी है। और—और मैं भाई लिओ और भाई जीन, और आप सब को, इस शानदार शुभ अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

3 और जैसे कि मैं पहला भजन अंत तक सुन रहा था, उस गायन में कुछ था, यह वह आराधना जिसे आप और अधिक नहीं पाते। और मेरे लिए सदा यह महान सौभाग्य रहा, जब मैं यहां पर आया, वर्ष में एक या दो बार कि आपको इन अच्छे गानों से आपको भर दू।

4 इस प्रात: मैं सोच रहा था, जब भाई लिओ ने गाने की घोषणा की, कि *वे पूर्व और पश्चिम से आते हैं,* और मेरी पत्नी के विषय में वह यह गा रही थी, जब मैंने छोड़ा... उसे छोड़ा और—और बिली और रिबेका को कि इस महान बेदारी को आरंभ करें कि इसकी अगुवाई हो, बल्कि यह राष्ट्रों पर छा गई। और फिर मैं सोच रहा था, जैसे कि मैं सुंदर साफ–सुथरी दिखने वाली महिलाओं के झुंड को देख रहा था। मैंने मेडा को स्मरण किया, वह भी उनमें से एक है, वह एक काले सिर वाली लड़की थी। और अब वह मेरे समान है, हम बूढ़े और सफेद हो रहे हैं और हमारा समय जा रहा है। और अब भी इस शानदार आशा के साथ कि हम उसमें फिर एक साथ एकत्र होंगे, जहां समय और ना होगा, बुढ़ापा, हमें कुछ भी ना रोकेगा या हमें परेशान करेगा।

5 मैं विश्वास नहीं करता कि मैं कोई ऐसी जगह जानता हूं, जो मैंने अपने जीवन में कभी देखी हो, खास तौर से इन बहुत सारे लोगों के संग, जहां बहुत सारे अच्छे मसीही लोग, इस प्रेम के साथ। इसे अपने बीच में से कभी खत्म ना होने दें, बस यह याद रखें।

6 मेरे पास एक छोटी सी हुआ करती थी... लोगों में एक कहावत थी, मेरी पत्नी का नाम होप था; मेरी पहली पत्नी, बिली की मां। वे... तब हम तीन ही थे, होप, मैं खुद और बिली वे हमें कहा करते थे, "आशा, विश्वास और प्रेम।" और ऐसा लगता कि एक मजबूत विश्वास, जैसा उन दिनों में, विश्वास की यह वचन ही सत्य था; और जो प्रतिज्ञा परमेश्वर ने की, वह उसे करेगा।

7 और परंतु आप देखते हैं, "इस सब में सद्भावना महान है, वह प्रेम।" जैसा कि इस प्रात: भाई लिओ ने प्रगट किया, "प्रेम! जहां की भाषायें जाती रहेगी, भविष्यवाणियां, यह असफल हो जायेगी, परंतु जब सद्भावना जो कि प्रेम है, यह सदा बना रहेगा।" समझे?

प्रिय मरते हुए मेमने, तेरे बहुमूल्य वचन
कभी अपनी सामर्थ नहीं खोएंगे
जब तक परमेश्वर की छुड़ाई हुई कलीसिया
बचा ली जाये और पाप ना करें।

जब कभी विश्वास के द्वारा धारा को देखा
तेरे घावो से बह रहा है
छुड़ाने वाला प्रेम मेरा विषय रहा
और जब तक मैं मरू रहेगा।

8 मैं सोचता हूं, प्रेम से बढ़ कर कुछ नहीं। और प्रेम, यदि हम इसे प्रगट ना कर सके... अब हम यह कह सकते हैं, कि हमारे पास प्रेम है, हम बस यह कह रहे हैं, परंतु जब हम इसे वास्तव में प्रगट कर सकते हैं, जो हमने कहा है कि हमारे पास है, तब इसे हम अपने अंदर दर्शाते हैं।

9 अब हम सिद्ध लोग नहीं हैं। हम गलतियां करते हैं। हम वो चीजें करते हैं जो गलत है, परंतु आप देखिए, प्रेम इस सब को ढांक देता है। हम इच्छा कर रहे हैं, जब हम अपनी गलतियां देखते हैं कि वापस पलट कर एक दूसरे से क्षमा मांगे, जी हां, यह—यह योद्धा है, यह वास्तव में पुरुष और स्त्रियां जो बहादुर है। कोई भी युद्ध क्षेत्र में जा सकता है, जो कभी भी वहां पूरी रीती से ना गया हो, परंतु जब वह गिरा, तब वह उठ कर फिर से यत्न करता है। एक गाना हुआ करता था जिसे युवा लड़के और युवा लड़कियां कलीसिया में गाया करती थी, "यदि मैं गिर जाऊं या यदि मैं असफल हो

जाऊं," देखिए, "यदि मैं गिरूं या यदि मैं... " मैं भूल गया ये आगे कैसे हैं। "मैं उठू और फिर से यत्न करूं।"

> प्रभु, मुझे क्षमा करें, मैं एक बार कोशिश करूं। (समझे? समझे?)
> यदि मैं गिरूं यदि मैं पाप करूं, मुझे उठने दे और फिर यत्न करूं।
> प्रभु, मुझे क्षमा करें, और मुझे एक बार और कोशिश करने दे।

10 और बहुत सो के साथ जैसा कि एक सौ बीस लोग यहां पर जमा है, आप बंधे हैं कि—कि बहुत सी बार चीजों को पाये, शत्रु आपके बीच में घुस आएगा और आपके विचारों से हो कर और *यह* और *वह* आरंभ करेगा। जब वह यह करता है तो रुक जाये। फिर सोचें, इस प्रात: के लिए सोचे, समय के लिए सोचे, जब आप स्वर्गीय स्थानों में मसीह यीशु के साथ मिलकर बैठे हैं।

11 आप में से कुछ नलसाज (प्लम्बर) कुछ बढई कुछ *ये* और *वह आदि–आदि*। आप हर रोज संसार में संघर्ष करते जब आप बाहर होते हैं। परंतु जब आप उन चीजों को देखते हैं, और बड़ी परीक्षाएं आती है तब इन छोटे पवित्र स्थानों को स्मरण रखें, जहां आप एक साथ बैठे हैं, केवल उस चीज के साथ जो स्थिर रहती है। आपकी नौकरी असफल हो जायेगी, इन्हीं किन्हीं दिनों में, आपका स्वास्थ्य खराब हो जायेगा, यहां तक कि आपका जीवन, यहां पृथ्वी पर असफल हो जायेगा। परंतु तब यह असफल नहीं होगा। और यदि वह हर चीज का केंद्र है, तो हम आपके विचारों को उस केंद्र के बिंदु पर रखें, जिससे हमें इस पर खींचा है।

12 ओह, यह भला है, स्वच्छ दिखने वाला, लोगों का झुंड! मेरा आपके वस्त्रों से अर्थ नहीं। निसंदेह आपके कपड़े साफ है, और आपके चेहरे। मैं सोचता हूं यहां पर यह महिलाएं, उन पर लिपस्टिक का एक निशान भी नहीं, वे सब लंबे बालों के साथ, युवा और बूढी, अधेड़ और सब। हाँ। देखा? भाई अब आप इसका अनुभव नहीं करते कि आपके पास क्या धन है, देखिए, इस छोटी चेपल की आराधना में।

13 मैं भाई और बहन शन्टज को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, और इस सौभाग्य के लिए कि उनके घर में होने के लिए। और यह अब उनका घर

है, कि उन्होंने अपनी संपत्ती, मैं सोचता हूं कनाडा में बेच दी है, और यहां हमारे साथ टिकने (रहने) के लिए आ गये। हमारे पास पृथ्वी का और कुछ नहीं है, हम एक आने वाले नगर की तलाश में है, जिसका रचने और बनाने वाला परमेश्वर है।

14 और मैं भाई लियो और जीन को उनकी सच्चाई के लिए धन्यवाद देता हूं, जो उस दर्शन के लिए जो उन्हें मिला जब हम पहली बार मिले। कोई संदेह नहीं सिवाये उसके, जो उन्होंने आपको कई बार बताया। यह विचित्र है, मैंने इसे इस प्रकार नहीं देखा, मैं जान गया वहां आगे कुछ था। जब युवा पुरुष मेरे पास आया, जैसे एक... उस स्वप्न के साथ, पिरामिड का था, इस पिरामिड में खड़ा था। और वह वहां चढ गया जहां पर मैं था, और मैं वहां एक प्लेट में खड़ा हुआ था, एक प्लेट या कुछ ऐसा या कुछ एक उजियाले जैसा।

उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, आप वहां कैसे पहुंचे? "

15 मैंने कहा, "भाई लिओ परमेश्वर को एक व्यक्ति को इस स्थिति में यहां रखना था।" मैंने कहा, "अब जो आपने देखा, अब घूम कर लोगों के पास जाओ और उन्हें बताओ कि आप विश्वास करते हैं कि यह परमेश्वर का है।"

16 तब यह जानते हुए जब मेरा एक स्थान है, मैं—मैं लड़कों से प्रेम करता हूं, मैं उन्हें इस स्थिति में रखना चाहता था, जहां मैं उनके साथ हो सकू। और उन्होंने टेप बनाने आरंभ कर दिए। परंतु आप देखिए, जहां तक मैं स्वयं में, वे अब भी टेप बना रहे हैं, जहां तक मैं जानता है, परंतु परमेश्वर ने उनके लिए क्या ही महान चीज की है, इन टेपों को बनाना छोड़ कर, देखिए। अधिकांश कोई भी टेप बना सकता है, यह समझदारी है कि टेप चला दे या चालू करें, परंतु यह पवित्र आत्मा की अगुवाई लेना है, कि छोटे झुण्ड की इस प्रकार अगुवाई करे, इस प्रात: और उन्हें एकता के क्रम में रखें, और अब भी संदेश के साथ बने हुए हैं।

17 परमेश्वर, होने पाये, आप—आप इसे इन लोगों को इस पृथ्वी पर खुशी और आनंद के साथ पृथ्वी पर लंबा जीवन दे, और फिर "प्रभु के आनंद में प्रवेश करें, " अपने मार्ग के अंत में।

18 अब हम युद्ध के लिए तैयार है, तुरही बजने को है। (स्तुती गीत) भजन गाए जा चुके, अब वचन आता है। मैं सोचता हूं, जैसे कि मैं यहां पर खड़ा हूं, जो कि आप जानते हैं... जी हां, आप संभवत जानते हैं।

19 परंतु इन युवा सिपाहियों पर यह टिप्पणियां सुनते हुए! और मैं बूढ़ा हो रहा हूं और आसपास सुन रहा हूं और आपका विश्वास और भरोसा, और आपने अपना विश्वास जो इस संदेश में रखा है, जो कि मुझे परमेश्वर से मिला है। अब यदि यह आप सबके लिए नहीं था, तो संदेश भला नहीं करता, देखिए, ये किसी को इसका विश्वास करना ही है, और जब तक यह परमेश्वर की ओर से आ रहा है तो कोई इसका विश्वास करने जा रहा है, आप समझे। परमेश्वर ने एक मार्ग बनाया है। उसने अपनी महान व्यवस्था इसी प्रकार स्थिर की है कि जब वह कुछ भेजता है तो कुछ होता है, जो उसके साथ मेल खाता है, गहराई, गहराई को उत्तर तक देती है, इसे इसी प्रकार होना है।

20 मुझे यह शब्द अच्छा लगता है, जो भाई जीन ने आज प्रात: प्रार्थना में विशेषकर प्रयोग किया, "उसके शानदार आंगन में।" जब मैं उस पुल को पार करता हूं, मैं वैसा ही महसूस करता है वहां आता हूं जहां परमेश्वर आदरणीय और आदर पूर्ण है और इसे वैसा ही रखता हूं। कोई मतलब नहीं, जब शत्रु आता है...

21 यह याद रखें, इसे ना भूले; विशेषकर भाई लिओ और जीन को। अब आप सोचते हैं कि शैतान इसे बिना किसी रूकावट के यूं ही चलने देगा? ओह, नहीं, निश्चय नहीं, वह इन्हीं दिनों में चक्रवात के समान उड़ जाने वाला है। परंतु जब—जब शत्रु बाढ़ के समान आता है, तो परमेश्वर का आत्मा उसके विरोध में मान दंड (दर्जे) को ऊंचा कर देता है। बस स्वयं को परमेश्वर के समक्ष अपने आप को ऊंचा उठाते रहे। एक दूसरे से मिले रहे। परमेश्वर को पकड़े रहे, क्योंकि यदि आप एक दूसरे से प्रेम करते हैं, तो यह दिखाता है कि आप परमेश्वर से प्रेम करते हैं। "यह बात सब लोग जान जाएंगे कि तुम मेरे चेले हो, जब आप एक दूसरे से प्रेम करें।"

22 और मैंने थोड़ी देर पहले सोचा, "कितने सुंदर गीत है! कितनी अच्छी आवाजे है! पुरुषों, स्त्रियों, पति, पत्नियो, युवा, बूढ़े और अधेडो का कितना अच्छा झुंड है, यहां एक साथ बैठे हैं।" मैंने सोचा, "भाई, इन्हें प्रेसकोट में होना चाहिए, इन्हें वहां होना चाहिए और एक रेडियो प्रसारण होना चाहिए

इस प्रकार से।" तब आप देखिए यह बिल्कुल वैसा नहीं होगा, जो परमेश्वर ने इन युवाओं को करने के लिए बुलाया है। समझे? समझे? दुल्हन बाहर बुलाई जा रही है, देखिए बुलाई गई, अब मेरा यहां कार्य है कि बुलाऊं। और फिर इस प्रकार की बातें, जहां आप लोग स्वयं को एक दूसरे के साथ झुंड में बना लेते हैं और स्वयं को थामते हैं, जहां आप अपने बच्चों को लाना चाहते हैं, प्रत्येक एक दूसरे को हर दिन देखता है, जैसे उकाब की आंख अपने बालकों को देती है, ताकि आप ना हो... यदि आप कुछ चीज गलत देखते हैं, तो आप व्यक्ति को एक ओर बुलाकर और उस पर प्रार्थना करते हैं, और इस प्रकार की चीजें, इसे शुद्ध पवित्र रखते हैं, ताकि पवित्र आत्मा स्थान पर आ सके।

23 परमेश्वर चाहता है कि उसकी आराधना करे। और जब आप उसकी आराधना करते हैं, यह ठीक वैसे ही गाना, गाना नहीं जैसा हम गाते हैं, परंतु इसे आराधना की आत्मा में गाये, तब आप अनुभव करेंगे कि पवित्र आत्मा वापस आता है।

24 और मैं यहां बड़े युवा पुरुष को देखता हूं, उस दिन के लिए सोचता हूं कि नौजवानों का झुंड जो यहां बैठा है, बड़ा, कठोर, पुरुष यहां बैठा है और छोटे बालकों के समान रोता है।

25 क्यों, आज देखिए, वे बाहर वहां सड़क पर है, संसार के व्यभिचार और गंदगी में जीवन बिता रहे हैं, और आदि–आदि।

26 और सोच कर कि आप अलग हो कर आ सकते हैं और इस प्रकार जमा होते हैं जैसे कि भजन संहिता लिखने वाला कहता है, "देखो क्या ही भली और मनोहर बात है कि भाई लोग आपस में मिले रहे। यह तो उस उत्तम अभिषेक के तेल के समान है, जो हारून के सिर पर डाला गया था, उसकी दाढ़ी पर बहकर उसके वस्त्र के छोर तक पहुंच गया।" जो कि वह अभिषेक का तेल... जिसे कि आप जानते हैं कि अभिषेक के तेल ने क्या किया, इसने इसे परमेश्वर की उपस्थिति में जाने के लिए सुरक्षित कर लिया, देखिए, उसे तेल से अभिषिक्त होना ही था, इसके पहले कि वह परमेश्वर की उपस्थिति में जाये। और जब भाई लोग, एक साथ एकता में रह सकते है, यह उस तेल के समान है, तब हम प्रभु की उपस्थिति में प्रवेश करते हैं, भाइयों के अभिषेक में एक साथ, एकता में। *तेल* "पवित्र आत्मा" को दर्शाता है।

27 अब हम थोड़ी सी प्रार्थना कर सकते हैं, इसके पहले कि हम वचन के अध्यन में चले।

28 स्वर्गीय पिता, जैसा हमारे भाई ने इस प्रात: प्रगट किया है, प्रभु के भव्य आंगन में प्रवेश करते हुए! अब, पिता, हम यहां लोगों के इस झुंड मैं यह अनुभव करते हुए, और अब मैं क्या कहता हूं मुझे इसके लिए न्याय के दिन में उत्तर देना होगा। और यह आपके बालक है, पिता, इन्हें निरंतर आशीष देते रहे। भाई लिओ भाई जीन को आशीष दे। होने पाये, ये लोगों की अगुवाई के लिए पवित्र आत्मा से निर्देशित किए जाये, जैसे कि हम सूर्य अस्त पर इस स्थान को तीर्थ स्थान बनाते हैं। और फिर परमेश्वर के पवित्र आत्मा, पुत्र तक हमारी अगुवाई करें। प्रभु, इसे प्रदान करें।

29 हमारे लिए वचन में होते हुए जीवन की रोटी तोड़े, और अब अनुभव कर रहे हैं कि अब हम युद्ध में है। हमने हथियार ले लिए हैं, इन सिपाहियों के लिए, जिससे कि वे इन जीवन की बची हुई घड़ियों में लड़ें। और प्रभु मैं प्रार्थना करता हूं, आप हर एक को उसके सही स्थान पर, जहां के लिए वह है, रखेगा, जहां से वे शत्रु कहीं से भी उनके विरोध में आए, वे आड़ ले सकते हैं, इसे प्रदान करें प्रभु। हम यह यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

30 अब बल्की मैं धीरे–धीरे बोलता हूं, क्योंकि मैं—मैं प्रशिक्षण प्राप्त सेवक नहीं हूं। मैं जानता हूं यहां लोग हैं, जो होशियार, बुद्धिमान, कुशाग्र बुद्धि के हैं, सब कुछ एक और रख कर यहां आए हैं कि स्वयं को तोड़ दे, वा मानवता में नम्र हो। महान पौलुस प्रेरित, मैं उसके वचनों को सोचता हूं, जब उसने यह कहा, "मैं तुम्हारे पास मनुष्य के लुभावने वाले शब्दों के साथ नहीं आया, क्योंकि तुम अपना विश्वास उनमें रखते, परंतु मैं तुम्हारे पास आत्मा की सामर्थ में आया।" देखिए महान बातें जो वह जानता था, उसने एक ओर रख दी। और इस प्रात: मैं अनुभव करता हूं, ऐसा मनुष्य यहां पर है, जैसे भाई ह्ग्गी और बहन, कार्य क्षेत्र से शिक्षक, यहाँ है और आप में से बहुत सारे लोग जो कि वास्तव में बुद्धिमान और होशियार है, मैं यहां खड़े होकर स्वयं को छोटा अनुभव करता हूं, आपके सामने अधिक शिक्षा के साथ नहीं हूं। परंतु मैं... और फिर आप लोगों को देखते हुए, इस प्रकार से स्वयं को नम्र करेंगे, और उन बातों को एक और करके, उस व्यक्ति कि सुने जो क ख ग कठिनता से जानते हो, जो लोगो को महान

बनाते है। इसलिए नहीं वे अपने कंधे बाहर करते हैं, और चले जाते हैं... यह वह जो स्वयं को नम्र करता है।

31 मैं सोचता हूं, चरित्र, जिसके द्वारा मनुष्य नापा जाता है... ना ही जिसके हाथ की मांसपेशियों मजबूत हो या उसके हाथों के डोले मजबूत हो, परंतु उसके पेंट में लटकता हुआ थैला, जहाँ पर उसने घुटनों पर आकर प्रार्थना की, मैं सोचता हूं यही, जो उस पुरुष को तैयार करता है।

32 अब इस प्रात: में बाईबल में से कुछ पढ़ना चाहता हूं और मुझे वचन पसंद है। क्या आपको नहीं? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] अब हमने प्रभु की आराधना की है, और हम उसकी आराधना निरंतर करेंगे। आईए, उसकी आराधना करें, जैसे तेज दोधारी तलवार काटने वाली, जैसे यह हम में से होकर निकलती है, तो यह पाये कि हम कहां पर खड़े हैं।

33 और मैं—मैं यह कहता हूं कि मैं अनुभव करता हूं कि यह स्थान है, जहां मैं चीजों को सिखा सकता हूं जो इस प्रात: मैं कहना चाहता हूं। और फिर, भाई लिओ और जीन और वे इस पर अभ्यास करेंगे जब हम चले जाते हैं, और उन बातों को निकाल कर लाते हैं जैसा कि मैंने आज प्रात: उसके संदेश में इसका उल्लेख सुना। जो वह पकड़ते हैं। परन्तु आप इसे मंच पर से इस प्रकार नहीं बोल सकते या उन टेपों पर, परंतु, देखिए, केवल बैठ कर और उनका अध्ययन करें और उनका अध्यन करते रहे, यह समझना कठिन है। बहुत से लोग इसे गलत समझते हैं! और छोटे–छोटे झुंड, क्या आप समझे, मनुष्य में यह इसी प्रकार है? यह सदा से ऐसा ही रहा है।

34 यदि वे हमारे प्रभु और बचाने वाले यीशु मसीह को नहीं समझ सके (देखिए यहां तक कि उसके चेले भी) तो फिर हम इस दिन में कैसे आशा कर सके कि इसे समझे। आप समझे। उसने कहा वह सीधी–सीधी बात कह सकता था आप समझे? और वह उन्हें इसकी व्याख्या नहीं देगा, बस वह उन से कहेगा। उदाहरण के लिए कहे, "जब तक तुम मनुष्य के पुत्र का मांस ना खाओ, और उसका लहू ना पियो, तो तुम में जीवन नहीं।"

35 अब क्या, अब क्या यदि—यदि डॉक्टर पास में खड़ा हो या नर्स या कुछ उस दिन, उस भक्त मंडली (सभा के लोगो के बीच) में वह बात कर रहा था? उन्होंने कहा, "यह मनुष्य नर पिशाच है, चाहता है कि उसका लहू पीया जाये," देखिए, उसने इसे कभी भी स्पष्ट नहीं किया। बस उसने

यह कहा। परंतु बाद में पौलुस ने आ कर और इसे स्पष्ट किया कि वह कैसे प्रभु भोज ले रहा था आप समझे, "उसका मांस खा रहे थे, और उसका लहू पी रहे थे।" और इस प्रकार उसने वे बातें कहीं।

36 और अंत में, एक दिन प्रेरित यहां तक कि उसके पुनरुत्थान के बाद, उनमें से एक उसके कांधे पर झुका हुआ था, यूहन्ना ने प्रेम किया। वह युवा लड़का था। और उसने कहा, "तुम्हें इससे क्या यदि यह मनुष्य मेरे आने तक ठहरा रहे? " उनके बीच यह बात चल पड़ी कि यूहन्ना यीशु के वापस आने तक नहीं मरेगा। यीशु ने यह नहीं कहा कि, उसने बस, उसने कहा, "तुझे इससे क्या यदि वह रुका रहे? " और फिर निसंदेह आप वचन में पढ़ते हैं, तब कैसे परमेश्वर... यह किसी उद्देश्य से कहा गया, ये बातें सारी किसी उद्देश्य के लिए है। परमेश्वर ने उस युवा यूहन्ना को लिया, और उसे आत्मा में उठाया और उसके आगमन को देखा, उस युग में, जो आने वाला है। देखिए, कहा, "तुझे इससे क्या यदि वह रुका रहे? " उसने उसे नहीं रोका, शरीर में; परंतु—परंतु जो वचन उसने उसके लिए कहा ये उसे यहां तक ले आया अब जहां हम है, आप देखिये, इसलिए सारे कार्य मिल कर भलाई के लिए है।

37 रोमियो में एक बहुत ही जाना हुआ अध्याय है, मैं यहां पर कुछ एक—एक पदों को लेना चाहता हूं, और लगभग पहले दो या तीन पद, दो पद, मैं सोचता हूं यह है और पढ़ता हूं। और इसमें व्याख्या करने का यत्न करता हूं, अच्छे से अच्छा जो मैं जानता हूं, पवित्र आत्मा की सहायता से, रोमियो का 12 वां अध्याय।

> *इसलिए हे भाइयों, मैं तुमसे परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूं कि अपने शरीरो को जीविता और पवित्र और परमेश्वर भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ, यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।*

38 मैंने सोचा इस प्रात: इस झुंड के लिए यह बहुत सुंदर था जो कुछ भी आपने किया। अब "और" और एक जोड़ने वाला है, जैसा कि मैं समझता हूं

> *और इस संसार इस संसार के सदृश्य ना बनो; परंतु तुम्हारी बुद्धि के नए हो जाने से तुम्हारा चाल चलन भी बदलता जाये,*

जिससे तुम परमेश्वर की भली और भावती और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

39 यही जो हम सब करना चाहते हैं, "इस संसार के *सदृश्य* ना बनो, परंतु अपने मन के नए हो जाने से *बदलते* जाओ कि परमेश्वर की सिद्ध और भावती हुई इच्छा को करें।" अब हम जो बचाए जा चुके हैं, जैसे हम हैं, और कि हम पवित्र आत्मा से भर चुके हैं, जैसे कि हम हैं; अब हम चाहते हैं कि वह मन जो मसीह में था, हम में हो जिससे हम जीवन के स्वाभाविक बातों से बदलते जा सके, और परमेश्वर की इच्छा करने के लिए लाए जाये, बदलने के द्वारा, परमेश्वर के आत्मा के, उसके वचन के द्वारा।

अब मेरा विषय: *रूपांतरण की शक्ति* है।

40 मेरी बाईबल *यही* है, अब यह वर्षों पहले हुआ करता था, जब मैं इन पुरुषों के समान युवा हुआ करता था, मुझे—मुझे अपने वचन और चीजें लिखनी नहीं होती थी, जब मैं पढ़ रहा था। परन्तु अब जब से मैं बूढ़ा हो रहा हूं, क्यों, मैं अपनी एक छोटी पुस्तिका रखता हूं। और—और जब मुझे कुछ मिलता है, क्यों, मैं उसे लिख लेता हूं। इस वचन पर लिख लेता हूं। और आदत है, मैं वचनों की इन पक्तियों को अपने मस्तिष्क में रखता, और चलता रहता।

41 परंतु प्रिय मित्रों, मैं इस प्रात: आपके समान युवा नहीं हूं। परंतु मैं बूढ़ा हूं और मैंने बहुत सी कठिन लड़ाईयां लड़ी, और उन कठिन लड़ाईयो के लड़ने से, मैं यहां आज इस प्रात: हूं। समझे? इसलिए, मुझे निश्चय है कि आप समझते हैं परमेश्वर ने मुझे इस में रखा है, ताकि मेरा जीवन एक मार्ग खोलें यह कहने को कि, "*ये* यह है, देखिए," तब आप सब उस मार्ग पर दौड़ते हैं। परंतु मेरे सामने, मेरे लिए मार्ग खोलता है कि जाऊ। समझे? और हम एक दूसरे के लिए मार्ग खोलते हैं। और जैसे कि आप देखते हैं कभी–कभी पुराने अनुभव वाले बूढ़े हो रहे हैं और उसके निशान उस पर है, और जैसे पौलुस ने एक बार कहा, "मैं यीशु मसीह के निशानों को अपनी देह के ऊपर लिए हूं।" आप समझे? तीमुथियुस कैसे उन निशानों को देखता है, मैं समझता हूं, श्रद्धा के संग जैसा कि वह युवा तीमुथियुस को समर्पित करता है।

42 अब "रूपांतरण।" मैं एक सरकारी कंपनी में काम किया करता था, जहां हमारे पास रूपांतरण करने वाले, और रूपांतरण होने वाले थे। अब यह

शब्द, इस शब्द का अर्थ कुछ इस प्रकार... कि *रूपांतरण* होना, जिसका अर्थ "कोई चीज जो एक चीज से दूसरी में बदल गई।"

43 जैसा कि मैं अगले 45 मिनटों में बोलना चाहता हूं या घंटे में इस रूपांतरण पर, मैं इस मूल पाठ का प्रयोग करना चाहता हूं। और मैं—मैं यहां एक चीज कह सकता हूं, जो बहुत ही विचित्र लगती है और जैसे कि भाई लिओ ने अभी कहा इसे ले और इसका अध्यन करें, थोड़ी देर के लिए, इस पर थोड़ा सा विचार करें।

44 *रूपान्तरित* होना, "बदल जाना, या कुछ भिन्न बन जाना।"

45 जैसे एक—एक टैडपोल याने छुछमछली ये टेड्पोल से रूपांतरित होकर मेंढक में हो जाता है। देखिए, एक समय वह एक केटफिश के समान दिखाई दिया, वह इधर–उधर तैरा, उसका एक सिर और पूछ और हर चीज एक—एक कैटफिश के समान दिखती थी। तब कुछ समय बाद, वह खोने लगा, वह पूछ को खो देता है, और वह एक वर्ग से दूसरे में रूपांतरित हो गया।

46 मैं सोचता हूं यही जो पौलुस ने अपने विचार में रखा, जब उसने कहा, "अपने मन के बदल जाने से—से रूपांतरित होते जाओ।" आइए देखें, मैं इसे सही से लू। "और सदृश्य ना बनो," आप जानते हैं *सदृश्य* होना क्या है।

> *... इस संसार के सदृश्य ना बनो; परंतु अपनी बुद्धि के नए हो जाने से...*

47 "बुद्धि के नए हो जाने से।" एक समय जब आपने उन चीजों के लिए सोचा जो किमती है, उन्हें एक और रख दिया और किसी चीज में रूपांतरित हो गए, जो आप एक समय में थे, उस में जो आप अब है। समझे?

> *... देखिये, तुम्हारी बुद्धि के नए हो जाने से, ताकि आप सिद्ध... परमेश्वर की भली और भावती और सिद्ध इच्छा।*

48 ओह, यही जो हम सब जानना चाहते हैं कि इसे कैसे करें। समझे? यहां हम, हम उससे प्रेम करते हैं; उसने हमें बचाया अब हम जानना चाहते हैं कि क्या करें। और इस प्रात: हम एक छोटा सा कदम उठाने का यत्न कर रहे हैं कि थोड़ा सा ऊंचा उठे। कभी–कभी हमें इन बातों पर जोर देना होता है... आप कुछ समय के लिए थामें रहे... जब तक हम देखें कि यह क्या निकल कर आता है।

49 उत्पत्ति के पहले अध्याय में, "परमेश्वर का आत्मा जल पर मंडराता था।" हम अनुभव करते हैं कि जल... और—और बाईबल ने कहा, "वहां पहले आरंभ में," कि, यह, "संसार उबड़–खाबड़ और सुनसान था, वहां अंधकार को छोड़ और कुछ नहीं था। और यह कितना भयानक रूप रहा होगा।" और कुछ नहीं अंधकार को छोड़ कर, बिना उजियाले या किसी चीज के और पानी की हलचल और घूमने वाला तारा, यहाँ, वहां कहीं अपनी कक्षा में चक्कर काट रहा था। यह किसी खोई हुई वस्तु का लौंदा था, जैसे कि यह था, जो अपना मार्ग ना खोज पा रहा हो।

50 और यही जो हम हो गए जब हम घूमने वाले तारे हो गए, परमेश्वर से दूर, बिना आशा, बिना परमेश्वर के, बिना बस वहां अंधकार में हलचल, ना जानते हुए कि हम कब... हम कहां जा रहे हैं।

51 और परमेश्वर ने अंधकार के उस महान उत्पाद को लिया, और उसे अपने वचन के द्वारा अदन की वाटिका में रूपांतरित कर दिया। इसी प्रकार हम भी परमेश्वर के वचन के द्वारा रूपांतरित हुए। जब परमेश्वर ने कहा, "उजियाला हो जाये," और वह सृष्टि का पदार्थ वहां सूर्य के चारों ओर आ गया, और सूर्य के चक्कर काटने लगा और अदन की वाटिका बन गया, क्योंकि इसने परमेश्वर का वचन माना। इसने परमेश्वर की सिद्ध इच्छा पूरी की, क्योंकि यह परमेश्वर के वचन से एक हलचल से रूपान्तरित होकर, अदन की वाटिका में हो गया।

52 अब हम यहां इसलिए हैं, यही मेरा संदेश चलता रहा, परमेश्वर का वचन। हमें इसे थामें रहना चाहिए, चाहे कुछ भी होता रहे, सदा वचन के साथ बने रहे। सदा अपने उद्देश्य और विषय को परखते रहें, यदि यह परमेश्वर के वचन के अनुसार है, यदि यह नहीं है, तो इसे छोड़ दे। समझे? परंतु यदि यह परमेश्वर के वचन के अनुसार है, तो फिर इसे थामें रहे।

53 अब परमेश्वर कभी–कभी... जैसे कि आपका यह छोटा सा झुण्ड इस प्राण यहां पर है, उसने इसे एक ही रात्रि में घटित होने नहीं दिया, उसने होने दिया, परमेश्वर... हम तो बहुत जल्दी में रहते हैं, परमेश्वर कभी जल्दी में नहीं होता। वह बस कहता है, और—और यह होने जा रहा है, क्योंकि जब वह कुछ कहता है तो यह होना ही है, यह होने जा रहा है वह इसे अपना समय लेने देता है। वह...

54 इब्रानी बालक वे वचन के प्रसिद्ध चरित्र जो परमेश्वर का वचन सत्य होने को उस पर स्थिर थे, उन्होंने कहा, "हमारा परमेश्वर योग्य है कि हमें आग की भट्टी से बचा ले। फिर भी, देखिए, हम इस मूरत के सामने नहीं झुकेंगे, क्योंकि यह वचन के विरुद्ध हैं, देखिए, यधपि, यदि वह हमें मार देता है, वह हमें फिर जिला उठा खड़ा करेगा, आप समझे।" देखिए, और वे... उसने उन्हें उस बड़ी भट्टी के किनारे तक जाने दिया, और उसमें पडने दिया, इसके पहले ऐसा प्रतीत हुआ कि उसने इस पर कोई ध्यान तक नहीं दिया। जैसे कि वह उन्हें देख भी नहीं रहा था, परंतु यद्यपि वह बराबर ध्यान रखे हुए था, वह सदा इसके लिए ध्यान रखता है।

55 अब परमेश्वर ने कहा "उजियाला हो जाये।" और इसने छह हज़ार वर्ष लिए कि यह अदन वाटिका अस्तित्व में आए, और हमें वचन में सिखाया गया। "क्योंकि पृथ्वी का एक दिन... या—या—या ऐसे हैं जैसे हजार वर्ष परमेश्वर के संग, इस पृथ्वी पर हजार वर्ष परमेश्वर के संग एक दिन है।" इसलिए इस पृथ्वी के बनने में छह हज़ार वर्ष लगे, और इसे अदन की वाटिका तक लाया। परंतु, आप देखिए, यह परमेश्वर था, सारी बुद्धि का महान स्वामी, और वह—वह उसके मस्तिष्क में या जो वह बनाना चाहता था।

56 जिस प्रकार मनुष्य जब उसने यह पगडण्डी बनाई, जब मनुष्य... जब आप भाइयों ने जो यहां है पार्क का डिजाइन किया कि आप इसे कैसे बनाएंगे यह आपकी बुद्धि में था, आप उस दर्शन पर कार्य करते रहे।

57 इसी प्रकार से परमेश्वर ने इस संसार के विषय में किया, उसने योजना बनाई यह उसके विचारों में था। और, यदि आप ध्यान दें, ये जैसे ये विकास क्रम के द्वारा आता है, जैसे वह सारे समय और अधिक सीख रहा था, किसी चीज को महान और महान बना रहा था। परंतु, देखिए, वह इस सब से ऊपर था और इसे और अधिक विकसित होने दिया, आप देखिए। हर चीज को वह पृथ्वी पर वह वनस्पति और मछली और आदि–आदि से लाया, ये चिड़ियों पर आया और जानवरों पर; और उसकी अपनी कल्पना में कुछ था, एक मनुष्य और वहां रुक गया, देखिए क्योंकि वह उसकी सिद्धता तक था, जो वह चाहता था।

58 आप इस प्रकार से आरंभ करते हैं जैसे कि यह पद चिन्ह। आप एक नमूना रख सकते हैं और आप कहते हैं, "आप क्या कर रहे हैं?" जैसे

आपने, आप सब ने इस कोने से पहले सारे पत्थर हटाए। "आप क्या कर रहे हैं? " यह ऐसा नहीं लग रहा था कि यह अब ऐसा होगा, यह छोटी अदन वाटिका के समान दिखता है। क्योंकि यह आपके विचार में था कि क्या करना है, और आप कार्य करते चले गए।

59 अब हम स्वयं को बदल देना चाहते हैं, अपनी बुद्धि के नई हो जाने से। देखिए, ना कि वह जो इस पृथ्वी पर हमारे पास है, हम इस पृथ्वी पर क्या ढूढ़ने जा रहे हैं; परंतु हम किस पर आ रहे हैं, उस संसार में जो आने वाला है, अपनी बुद्धि के नए हो जाने के द्वारा, बदलते चले गए!

60 अब, छह हज़ार वर्ष परमेश्वर ने इसे बनाने के लिए, और. हम उत्पत्ति एक में देखते हैं। हम अब भी इसे देखते हैं, परमेश्वर का कोई उद्देश्य था, जो वह घटित करना चाहता था।

61 और बहुत से लोग उत्पत्ति को सिखाते हुए, यहां पीछे पहले और दूसरे अध्याय में विशेषकर तीसरे अध्याय में, "ऐसा प्रतीत होता परमेश्वर स्वयं को दोहराता है। और, वह कहता है वह आगे बढ़ा और बोला, ये सारी चीजें जो उसने करी। ओह, वह कैसे... 'उजियाला हो जाये, और *यह* हो जाये, और वह आ जाये,' और वहां अभी तक एक भी चीज़ नहीं थी।" कुछ भी नहीं था। वहां उजियाला नहीं था, वह पुराना संसार अंधकार में तैर रहा था, जल से ढका हुआ। परंतु देखिए, उसने अपना वचन बोला, और तब जब वह बोल रहा था।

62 अब हम यहां उत्पत्ति एक में ध्यान देते हैं, उसने कहा, "और उसने मनुष्य को अपने शक्ल और सूरत पर बनाया, अपनी समानता में, उसने उसे परमेश्वर के स्वरूप में बनाया, नर और नारी करके (उसने बनाया)" देखिए, वह मनुष्य को बना रहा था, उसने बस वचन बोला। तब हम पाते हैं उसके अपने बहुत दिनों के बाद, जब बीत गए संभव है सैकड़ों–सैकड़ों वर्ष, वहां अब भी कोई मनुष्य ना था कि भूमि को जोते। भूमि जोतने के लिए कोई भी ना था, इस प्रकार तब परमेश्वर ने मनुष्य को भूमि की मिट्टी से रचा। देखिए, उसने वचन बोला, और तब वचन को घटित होना था।

63 और, जब उसने कहा, "उजाला हो जाये," हो सकता है वहां सैकड़ों वर्ष हो सकते हो, हो सकता है, आठ सौ वर्ष, इसके पहले कि उजियाला हो, परंतु यह घटित हुआ, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा।

64 और परमेश्वर एक कलीसिया बनाने जा रहा था, मैं चिंता नहीं करता, कितने अंधकार के युगों में से होकर निकलना पड़ा और जो कुछ भी हो। वह एक कलीसिया बिना दाग और झुर्री के बनाने जा रहा है, चाहे हम उसके भाग हो या ना हो, क्योंकि वह पहले ही कह चुका है, इसलिए यह होने जा रहा है, यहां, वहां होने जा रहा है।

65 और—और उसने आज्ञा दी, कि—कि यह पौधे के जीवन में बदल जाये, और जीवन जो उसने रखा। उसने यह वचन कहे, "जैसे खजूर का वृक्ष हो जाये, और बांज का वृक्ष हो जाये, देवदार हो जाये।"

66 वहां रेगिस्तान में देखिए, जहां हम ट्यूसान में रहते हैं। वहां कैक्टस है, कैक्टस बढ़ रहे हैं सब प्रकार के कैक्टस। वहां से केवल 30 मिनट पहाड़ की चोटी पर, शेरमन चीड़ है। अब यह कैक्टस *वहां* नहीं उगेगा, ना ही वह शेरमन चीड़ *यहां* उगेगा। अब, वह बुद्धि कहां थी जिसने वह बीज बोया? देखिये, उन्हें कहीं से तो आना था। यह परमेश्वर का वचन था, "यह हो जाये," और यह था।

67 अब, हम यह सब पातें हैं, (उसके ये बनाने के बाद, इसे उसके प्रकार में बदल रहा था, और उसका जीवन, और—और यह, सब परमेश्वर के वचन के द्वारा रखा गया, वह सृष्टिकर्ता) यह सब हम पाते हैं कि यह सब एक मुख्यालय में आगे बढ़ रहा था, जिसे अदन की वाटिका कहा गया, और परमेश्वर ने अपने पुत्र को रखा और अपने पुत्र की दुल्हन को उस स्थान में। यह महान सृष्टि, इसके लिए उसके पास एक कारण था, उसने हर चीज को इतना सुंदर बनाया! उसने फूलों और जीवन और चिड़ियों को बनाया, और वहां कोई मृत्यु ना थी, कोई पाप नहीं, कोई दु:ख बीमारी नहीं, और ये सारी महान चीजें एक बड़े मुख्यालय की आंखें बढ़ रही थी, जो कि अदन की वाटिका थी।

68 और वहां उसने पुत्र आदम को रखा, और आदम की दुल्हन पत्नी को। अब आप कह सकते हैं, "यह उसकी पत्नी थी।" यह उसकी संभावित आ पत्नी थी, परंतु वह कभी नहीं... अभी एक वास्तव में उसकी पत्नी नहीं थी।

69 जैसा कि वचन में हम पाते हैं, जहां कहा गया, "युसूफ तू दाऊद की संतान अपनी पत्नी मरियम को लाने से ना डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा का है।" समझे? अब यह उसकी पत्नी थी, जब उसने

उससे विवाह की प्रतिज्ञा की, या उसे ले। परंतु अब भी वह उसकी पत्नी ना थी अब भी, क्योंकि उसने उसे पत्नी करके कभी ना जाना था।

70 इसलिए ऐसे ही यह यहां पर है, यही कारण है कि मैंने कहा, "परमेश्वर का पुत्र और उसकी दुल्हन।" आदम ने अपनी पत्नी को एक पत्नी के समान कभी नहीं जाना था, परंतु अब भी वह उसकी पत्नी थी, संभावित, जैसे कि इस समय, अब कलीसिया और मसीह।

71 अब फिर, सब विश्राम कर सके, क्योंकि परमेश्वर के सारे वचन बीज जो उसने बोले थे अपने ही प्रकार के उगे। पृथ्वी वहां पर आयी, वहां उजियाला था, वहां सूर्य चमका था, जब उसने सूर्य को चमकने दिया। अब, क्यों उसने सूर्य को चमकाया? यह उसके मस्तिष्क में था। देखिए, कि यदि सूर्य नहीं चमकता तो फूल नहीं बढ़ेंगे, जो वह उसे अस्तित्व में आने के लिए बोलता है, उसने हर चीज उद्देश्य के लिए बनाई है, यह जो भी है। जैसे एक पेड़, यह एक विशेष बीज रखता है, या वह एक सेब उगाता है, वह वाटिका के फल बनाता है और यह आदि–आदि यह सब उसके उद्देश्य के लिए है। और हर चीज को घटित होना था, और उसने यह बोला था। अब केवल एक ही बात जो उसे करनी थी, इस बोलने के पश्चात वह... बल्कि यह बोल रहा था। वह विश्राम के लिए जा सकता था, क्योंकि उसने यह बोला था, और यह सब घटित होना था, क्योंकि उसने यह बोला था। मैं नहीं जानता, इसे किसमें से होकर निकलना था, इसके पहले कि यह घटित हो, कितने सारे अस्विकार और जो भी हो, परंतु इसे घटित होना ही था, उसने कहा वह घटित होगा। जो उसने बोला था।

72 यही चीज अंत के दिनों में, कलीसिया के विषय में है, वह एक दुल्हन लेने जा रहा है। "वह योग्य है कि इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान उत्पन्न न करें।" यदि हम उसका अनुकरण नहीं करते, उसे कोई और मिलेगा, जो उसका अनुकरण करेगा। समझे? वह इसे लेने ही वाला है, क्योंकि वह पहले ही इसे बोल चुका। जो भी वह कहता है, उसे वैसा ही होना है, यह बदल नहीं सकता इसे वैसे ही आना है क्योंकि उसने कहा, यह होगा।

73 और यह सारी महान बात जो वह जानता है वह घटित होगी, उसके— उसके यह बोलने के बाद, वह विश्राम कर सकता था, हर चीज नियंत्रण में है। उसका बीज उसका वचन था, और उसका वचन एक बीज है। यीशु ने

कहा यह था। और हर चीज ठीक होगी, क्योंकि उसने यह कहा था, यह अपने ही प्रकार का उगायेगा, केवल अपनी ही जाति में रूपांतरित। देखिए, उसका वचन अपने ही प्रकार का होगा। यदि उसने कहा, एक "ताड़" का वृक्ष। उसका अर्थ यह नहीं था एक ताड़ और बांज मिला जुला। उसका अर्थ एक ताड़ का वृक्ष, *यहां* पर, और *बांज* का वृक्ष यहां पर, हर चीज अपने स्थान पर स्थित।

74 ओह, यदि हम केवल यह सीख सके, कि हम वचन का कौन सा भाग है, हमें अपना स्थान लेना ही चाहिए, कोई मतलब नहीं, यह क्या है।

75 मैं यहां एक छोटी बहन के लिए सोचता हूं, जो पहिए वाली कुर्सी में है कभी–कभी कितनी बार निष्ठा पूर्व प्रार्थनाये इस पर की गई, तब हम नहीं समझते, इसलिए हम बस यह परमेश्वर को समर्पित करते हैं। और... यह आपके बीच एक फूल के समान है, अपनी खुशी, और हर चीज के साथ। देखिए, हम उठ कर घूम सकते हैं, वह इसे करने के लिए कितनी प्रतीक्षा करेगी परंतु वह फिर भी आनंदित है जैसे कि वह बैठी है, मैं इस महिला को देख सदा उत्साहित होता हूं, क्योंकि वह... हम सब चंगाई में विश्वास रखते हैं। हमने परमेश्वर को इससे बड़े बड़े आश्चर्यकर्म करते देखा है, और यह भी यह जानती है, परंतु वह अपना स्थान लेने के लिए तैयार है।

76 देखिए, यह जो कुछ भी है, यही जो हम चाहते हैं। और मैं विश्वास करता हूं कि यह दाऊद था जिसने कहा, "मैं प्रभु की डेवड़ी पर पांवदान बनाना चाहूंगा बजाये कि दुष्ट के तंबू में वास करूं।" कोई मतलब नहीं, यह क्या है, "अपना स्थान लूंगा।"

77 कभी–कभी आपको हर चीज जो संसार में आपको प्रिय है, उससे अलग होना पड़ता है कि अपने स्थान को आप ले। जिसके लिए परमेश्वर ने आपको बुलाया है कि निश्चित हूं कि आप पंक्तियों के बीच में पढ़ सकते हैं कि मैं क्या कह रहा हूं। समझे? कभी–कभी पृथ्वी पर बहुत ही प्रिय व्यक्ति, आपको उनसे हाथ मिलाना पड़ता है कि अपने स्थान को मसीह में ले, जहां के लिए परमेश्वर ने आपको बुलाया है। समझे? परंतु परमेश्वर क्या कर रहा है? आपको जो आप थे, उससे रूपांतरित कर रहा है, हो सकता एक पुत्री या एक पुत्र या यह जो भी है, कभी–कभी प्रिय परिवार से वह आपको कहीं रखता है। क्योंकि उसके करने की यही विधि है, देखिए,

आपकी बुद्धि के नए हो जाने से परमेश्वर के वचन का पालन करना कोई मतलब नहीं कि कितना मूल्य है। समझे? यह चीजे नहीं आती... इसने नहीं पुकारा...

78 हमारा छुटकारा कोई मामूली चीज नहीं, यह परमेश्वर के पुत्र को हमारे लिए मरना पड़ा। समझे? यह नहीं... उपयोगिता की चीजें बडे दामों में आती है।

79 इस संदेश को लाना, यह सरल नहीं था। समझे? नहीं, यह नहीं था। मुझे हर चीज जो प्रिय थी, छोड़नी पड़ी, यहां तक कि मेरे अपने लोग, हर कोई, परंतु आप इसका मूल्य देखें, आप देखिए, परमेश्वर की इच्छा को पूरा करना। और यह करने को, जिसको कि जानते हुए कि मुझ में कुछ है, जब वे कहा करते थे... भाई वे मुझे अलग करने जा रहे थे, सोचा कि मैं अपने आपे में नहीं हूं। "यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दे रहा था, कलीसिया के विरुद्ध। और यह सारी चीजें!" उन्होंने कहा, "वह पागल है," परंतु आप देखिए, कोई मतलब नहीं कि उन्होंने क्या कहा, कुछ तो करना ही था। और परमेश्वर बस एक व्यक्ति को लेता है, अपने हाथ में रखता है, और कहता है, "यह कर," और तू यह कर।

80 संत पौलुस के लिए इसका कितना दाम हो सकता है, गमलीएल की अधीनता में सिखाया गया, उस दिन का महान शिक्षक। और वे आए, वही चीज, जो विधर्मी समझी गई, वह बातें जो उसने सोची कि यह बेकार की बातें हैं जो कलीसिया के लिए हो सकती थी, वह आया, और उसका भाग बन गया। एक विचित्र बात! "और परमेश्वर कैसे आश्चर्य जनक रीति से कार्य करता है, विचित्र रीति में, उसकी आश्चर्यजनक कार्य विधी है।"

81 जब परमेश्वर ने बोल दिया उसे मालूम है कि उसका वचन एक बीज था और यह हो सकता है, यह अपने ही प्रकार को लाएगा। अब यह आज्ञा थी कि केवल अपने ही प्रकार का लेकर आए, और यह सदा यही करेगा, यदि मनुष्य इसमें गड़बड़ ना करें।

82 और ऐसे ही परमेश्वर की कलीसिया और हर चीज अपने ही प्रकार का लाएगा, जैसे यह पहले था, यदि धर्म विज्ञान इस वचन को में गड़बड़ ना करें, इसे कहीं और रखने का प्रयत्न करें या कुछ और करे। परमेश्वर ने यह बोला है। और मतलब नहीं वे कितनी भी मिलावट करने का यत्न करें,

और गड़बड़ और आदि–आदि, यह अपने अपने ही प्रकार का लाने जा रहा है। उसे कोई भी नहीं रोक सकता।

83 मैं आशा करता हूं कि यह ऐसा नहीं लग रहा है कि मैं आप पर चिल्ला रहा हूं। [भाई ब्रन्हम माईक ठीक करते हैं—सम्पा।] क्या यह बहुत तेज है? [सभा कहती है, "नहीं।"]

84 अब, देखिए, हम हर चीज को क्रम में आते हैं, परमेश्वर ने यह बोला, और उसने कहा, "ऐसा हो जाये, ऐसा हो जाये। और एक अदन हो जाये। सुंदर–सुंदर फूल हो जाये। मेरा पुत्र हो जाये मेरी ही सूरत में, वहां अदन की वाटिका में खड़ा हो, और उसकी दुल्हन उसके बराबर में खड़ी हो।" ओह, कितना सुंदर, वह क्या था। और पिता, और वह एक पिता था, आप देखें, इसलिए उसके अपने बालक आ रहे हैं। और उसने उनके लिए अदन वाटिका बनाई। उसे अपने बालकों के लिए करना अच्छा लगता था।

85 क्या आपको याद नहीं कि कैसे आप माताए कि कैसे कोई मतलब नहीं यदि आपके पास भत्ते की तालिका थी, यदि छोटे को जूते का जोड़ा चाहिए, जो उसे पसंद है, आप—आप ये करेंगे। ये जो भी था अपने बालकों के लिए कुछ करेगे! पिता आप थोड़ा और कड़ा परिश्रम करेंगे कि अपने बालकों के लिए कुछ ले पाये। समझे?

86 यह ये दर्शाता है कि हम *यहां* नीचे हैं एक अभिभावक। वह संपूर्णता में अभिभावक है, देखिए, तो वह कितना अधिक। कोई आश्चर्य नहीं, प्रेरित ने कहा, "आंख ने नहीं देखा या कान ने नहीं सुना ना ही मनुष्य के हृदय में आया कि परमेश्वर के पास अपने प्रेम करने वालों के लिए क्या रखा हुआ है।" हम अपने को समझा नहीं सकते, हम हमारा मस्तिष्क उस चीज को समझने योग्य नहीं, उस सही—सही दिशा में, जो परमेश्वर ने हमारे लिए हम में रखा है, जो उस से प्रेम करते हैं। देखिए, हम, मैं कल्पना कर सकता हूं, यह क्या होगा मैं सोच सकता हूं क्या होगा, परंतु मैं—मैं... मेरा मस्तिष्क इतना योग्य नहीं—नहीं—नहीं कि सोचे कि यह कितना महान है, यह उससे आगे है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि स्वर्ग क्या होगा, जब हम वहां पर होंगे और युवा और कोई पाप नहीं? ओह—ओह क्या ही सुंदर स्थान! परंतु देखिए यह उससे भी आगे हैं। देखिए हम, "यहां तक कि यह मनुष्य के हृदय में भी ना समाया जो परमेश्वर के पास उनके लिए है, रखा है।" उसने यह बोला, और यह वैसा ही होने जा रहा है।

87 अब दशा पर इस सारी सुंदर तैयारी जो उसने वहां पर की, उसकी अपनी... मेरे कहने का यह अर्थ नहीं कि उस वचन में तैयारी, परंतु एक प्रकार का जैसे... क्या बालक के आने से पहले मां, क्या वे तैयारी नहीं कहते? वे... सब छोटी–छोटी जूतियां और सारी चीजें तैयार, आप जानते हैं उस आने वाले छोटे से प्रेम के भाग के लिए जो परमेश्वर भेज रहा है, यह लेते हैं।

88 यही परमेश्वर ने आदम और हवा के लिए किया। उसने इस अदन वाटिका की सृष्टि की, उसने इसे बोला, यह उसके मस्तिष्क में था और जब वह इसे कहता है तो इसे घटित होना ही है।

89 अब इसे आप याद रखें जो वह कहता है, उसे होना ही है, देखिए, वह नहीं... उसे कोई नहीं रोक सकता, इसे होने से कोई नहीं रोक सकता। कुछ भी ऐसा नहीं है जो इसे घटित होने से रोके। परमेश्वर ने ऐसा कहा, बस यह तय हो गया! परमेश्वर ने यह कहा, यह होने जा रहा है।

90 अब यह सब उसके विचारों में था, और उसने कहा, "यह हो जाये।" अब यह उत्पत्ति एक है, "*ऐसा* हो जाये। *यह* हो जाये। *ये* हो जाये।" वह बीज बो रहा था। "*ऐसा* हो जाये। *ऐसा* हो जाये। *ऐसा* हो जाये।" और वह जानता था कि ऐसा घटित होने जा रहा है क्योंकि यह बदल नहीं सकता।

91 अब यह हमें विश्वास देता है, और जो उसने *यहां* कहा, यह होने जा रहा है। इसलिए यह हो कि यह बीज हमारे ह्रदयो में गिरे, ताकि हम उसकी उपज वाली भूमि हो सके, देखिए अपने ह्रदयो में। और हम इस स्थान पर कार्य करें जो उसने हमें रखा है अंत के दिनों में। "हमारे ह्रदयो में बीज गिरे, प्रभु, आपका वचन मेरे हृदय में गिरे।" और कोई अविश्वास ना हो!

92 जैसे अब्राहम, जब वह एक बूढ़ा व्यक्ति था देखने से असंभव लगता था। "वे इसे कैसे करने जा रहे हैं? इस प्रकार से, यह कैसे होने जा रहा है? " उसने इस पर कभी विचार नहीं किया। उसने केवल परमेश्वर का वचन स्वीकार किया और इसका विश्वास करता चला गया, और परमेश्वर ने यह कर दिया। अब, परमेश्वर ने यह सारी बातें कही है, इसलिए वह जानता था कि यह होगा। और यह हुआ, वह उसी तरह का लेकर आया।

93 अब उसने तब यह रूपांतरित कर दिया था, सारे बीज जीवित प्राणियों में और सृष्टि जो कि उसे होना था यह वैसे ही आया, जैसा उसने कहा यह

होगा। उसने कहा, "यह हो जाये।" हो सकता है, सैकड़ों–सैकड़ों वर्ष बीत गए, परंतु हम यहां एक सुंदर वाटिका पाते है बड़ी चिड़ियाये, एक उड़ान। उन चिड़ियाओ को मरना नहीं था। और भेड़िया और मेमना एक साथ खा रहे थे, सिंह, चीता और बैल और वहां कोई हत्या नहीं थी, कोई मृत्यु दु:ख नहीं था। और वहां आदम और हवा थे, अदन की वाटिका में घूम रहे थे। हर बीज उगा, यह कभी और कुछ नहीं कर सकता था, यह कुछ और नहीं कर सकता था, क्योंकि परमेश्वर ने कहा, "यह इस प्रकार से हो जाये।" इसे वैसा होना ही था।

94 ओह, कैसे मैं इस पर एक मिनट के लिए रुकना चाहता हूं, कि कहूं, यही जहां हम इसका सामना कर रहे हैं, उस वचन का पूरा होना।

95 अब परमेश्वर ने कहा, "हो जाये।" और यहां ये आ गया, पहले सिद्ध, ठीक वैसे ही। अब, *यह* पेड़, केवल उसी पेड़ को ला सकता है, यह पेड़ केवल इसी पेड़ को ला सकता है। और आदम, परमेश्वर का एक पुत्र, केवल परमेश्वर के पुत्र को ही उत्पन्न कर सकता है। देखिए, आप समझे मेरा क्या अर्थ है? यह हर चीज अपने ही प्रकार की और इसलिए परमेश्वर कह सकता था, "भाई, मैं अब थोड़ा विश्राम कर लू।"

96 और क्या आपने ध्यान दिया, यह बहुत ही थोड़े वचन, जो कभी परमेश्वर ने बोले वास्तव में उस समय के बाद? गिरावट के पश्चात, अपने भविष्यवक्ताओं उसने इसे दे दिया और अब वे वचन को लाते हैं। आप समझे? परमेश्वर ने विश्राम किया, उसके पास अब और करने को नहीं, वे उसके मुख्यालयों पर जाते हैं, और द्वार खटखटाते, "पिता, यह क्या है? " और वह वचन उनके वास नीचे भेजता है, उनके द्वारा। उसकी एक विधी है और उन चीजों के करने का एक मार्ग है।

97 "बस यह हो... " और यह इसी प्रकार से था, हर चीज अपने ही बीज का प्रकार उत्पन्न करेगी। अब, जब हर चीज बहुत सुंदर लग रही है, और हर चीज घटित हो रही है, जैसा कि परमेश्वर ने बोला था। अब, यहां तेज, गंदा, धोखेबाज आता है।

98 अब यही है, जिसके विषय में मैं आपको चेतावनी देने का यत्न कर रहा हूं। जब आप देखते हैं कि परमेश्वर का बीज पकड़ बनानी आरंभ करता है कि बढ़े तो उस व्यक्ति को भीतर आते देखे, चालाक, जितना वह हो सकता

है, वचन का उल्लेख देता है उसे जिसके पास नहीं है, देखिए। उसका ध्यान रखें, क्योंकि वह एक धोखेबाज है।

99 मैं इसको कहने जा रहा हूं, बजाये एक—एक पुष्टिकर्ता के, पुष्टी होते हुए, वह एक बिगाड़ने वाला है, उन चीजों को बिगाड़ दे बिगड़ता है, जिसकी पुष्टि हो चुकी है। वह एक बिगाड़ने वाला है, और वह एक बिगाड़ने वाला, या, एक मिलावट करने वाला या मूल बीज को और एक मूल योजना भ्रष्ट करने वाला है।

100 अब आप यहां देखते हैं, जैसे यहां इस प्रात: इस झुंड में आपके पास एक योजना है, आपके पास एक दर्शन है। अब आप उस भ्रष्टाचारी पर ध्यान दें। ओह, वह एक धूर्त चालाक जितना कि हो सकता है। आप देखिए, परंतु अपना दर्शन बनाए रखें, लड़के, उसे ही पकड़े रहना।

101 अब हम यह भी पाते हैं, जब वह भीतर आता है वह उस बीज को बिगड़ता है। वह उस बीज को उपज की भूमि में जा कर बिगड़ता है, इसके पहले कि वह वहां पहुंचे कि उस सुंदर अदन वाटिका को भ्रष्ट करें।

102 जहां—जहां, स्वर्ग, केवल एक ही चीज है, जो पुनःस्थिति में। जहां अब हम हैं, हम अपने मार्ग पर है कि वापस परमेश्वर की सृष्टि के मूल आरंभ में आ जाये, फिर से अदन की वाटिका में; पति और पत्नी, बिना—बिना किसी—किसी पाप के या कोई चीज कि अनंत तक जीवित रहे। परंतु...

103 अब, अब वह चाहता है कि हमें हमारे विचारों को रूपांतरित कर दे, नए होने के द्वारा या रूपांतरण के द्वारा, हमारे—हमारे मस्तिष्क के नए होने के द्वारा रूपांतरण हुआ।

104 अब शैतान अंदर आता और वचन को बिगाड़ता है, कुछ और कह कर बनाता है, कि यह ऐसा नहीं। अब यही उसने आरंभ में किया था। और अब ध्यान दें, यह इस प्रात: सुनने में लोगों विचित्र लगने वाला है, यदि मैं प्रतीक्षा ना करूं, और बहुत से विचारों को आधारित ना करूं इसके पहले कि मैं अपने निरंतर विचार को लू जिस पर कि—कि मैं आपको लाना चाहता हूं। क्या यह बिगड़ने वाला अंदर आया; और जैसे कि परमेश्वर ने मूल वचन के साथ, छह हज़ार वर्ष लिए कि हर वचन का अपना ही प्रकार उत्पन्न करें, और चीजे, जो उसने बनाई परमेश्वर के अपने ही वचन पर होंगी अपने ही प्रकार का उत्पन्न करेगा और बिगाड़ने वाले ने छह हज़ार वर्ष लिए कि परमेश्वर के उस वचन को विकृत करें। और उसने क्या किया?

वह अपने लिए एक नए प्रकार का अदन लेकर आया, शैतान या अदन। यही जहां हम आज रह रहे हैं।

105 उसने यह कैसे किया, यह कैसे हो सका? अब आघात करने वाली बात यह है कि उसने यह कैसे किया। और यही जहां हमें होना है, जिसके लिए मैं यहां पर हूं कि आपके सामने इसे रखू, ताकि अब आप इसका अध्ययन कर सकें, और यहां भाइयों के साथ और आदि–आदि, आने वाले सप्ताहों में, ताकि आप देख सके कि शैतान ने यह कैसे किया। और देखें कि वह कितना चालाक है, और वह कितना धूर्त है।

106 अब, उसने इन बीजों को विकृत किया। और वह इन्हें नष्ट नहीं कर सकता, बस बिगाड़ सकता है। अब हम अनुभव करते हैं कि पाप धार्मिकता का बिगाड़ा रूप है, यह बस झूठ सत्य को गलत दर्शाया गया। देखिए, कोई भी चीज व्यभिचार, सही व्यवहार, जिसे परमेश्वर ने ठहराया, उसे गलत रीति से लिया, देखिए, कोई भी चीज। और मृत्यु जीवन का बिगाड़ा रूप, मृत्यु बस लेती है जीवन को विकृत करती है।

107 अब उसके पास छह हज़ार वर्ष, उसके विष छिडकाव के साथ कार्य करने को है। और उसने इसे कैसे किया? अब यह प्रहारी भाग है, अब इसे ध्यान से सुने उसने यह सभ्यता के द्वारा किया। अब यह विचित्र प्रतीत होता है, परंतु वह यही है। मैं आपके सामने एक वक्तव्य देने जा रहा हूं, ये कुछ मिनटों में आपको अनुमान लगाने देगा, मैं आशा करता हूं कि नहीं। परंतु क्या आपने यह अनुभव किया? अब मैं अज्ञानता का पक्ष नहीं ले रहा हूं। परंतु क्या आप जानते हैं कि सभ्यता, विज्ञान, शिक्षा और हर चीज आज जिन्हें हम आज ह्रदय से संजोए रखते हैं, महान है, यही शैतान के यंत्र है यहां तक कि सभ्यता? सभ्यता कभी भी परमेश्वर के द्वारा नहीं आती है। अब मैं इसे आपको वचन से प्रमाणित करूंगा, कुछ ही मिनटों में।

108 सभ्यता परमेश्वर की नहीं है। मैं आपको दर्शा दूं; इस सभ्यता में जैसे–जैसे हम विज्ञान के द्वारा कार्य करते हैं और सभ्य हो जाते हैं, हम सदा स्वयं को मार रहे हैं। समझे? और इस सभ्यता ने इमारतों की चोटीयां बनाई है, और इस सभ्यता में हमें मृत्यु मिली है। हमें इस सभ्यता में पाप मिला है, इस सभ्यता में हमें बीमारी मिली है। यह परमेश्वर का नहीं हो सकता।

109 इसलिए परमेश्वर सह... में उसका महान, अपना महान राज्य जो आना है हमारी एक सभ्यता होगी, परंतु कोई चीज इस प्रकार की नहीं होगी,

यह विज्ञान के द्वारा नहीं होगी। यह विश्वास की सभ्यता होगी, वचन के द्वारा। समझे?

110 यह वैज्ञानिक सभ्यता जो हमारे पास है, बिल्कुल ठीक शैतान का फंदा है, और यही जिससे उसने लोगों को मारा है। यही जिससे हमें मार रहा है, हर दिन इसी से। इस प्रकार से जैसा कि हम प्रतिदिन खाते, तो बजाये जीने के हम मरते हैं। उन्होंने हर चीज को इतना दूषित कर दिया है, कि इसका *इतना* सारा लो, और इसको *इसके* साथ मिला दो, और *इसको* और *उसे* और *उसे,* उसकी मिलावट कर दो, जब तक मरने वाला ना हो जाये, यह मरती हुई जाति है। और कोई मतलब नहीं, आप क्या करने का यत्न कर रहे हैं, आप मरते हैं।

111 आपने बीती रात्रि, आप लोगों ने उन अफ्रीकनो का चित्र देखा था। आप जानते हैं क्यों? उनके पास पेन्सलीन कभी नहीं था। आप जानते हैं क्यों... उनके पास पेन्सलीन कभी नहीं था, वे लोग हम से अधिक लंबा जीते हैं। वे यह भी नहीं जानते कि वे... कीटाणु उन्हें परेशान नहीं करते, देखिए, क्यों एक कीटाणु अपने हाथ खड़े कर देता है और उनसे हार जाते हैं। समझे? क्योंकि वह, देखिए वह नहीं... उनको नहीं क्योंकि? उनके पास यह सब नहीं, हम उन्हें पहचानने के लिए विज्ञान को लेंगे, जैसे पेन्सलीन या कुछ वे हमारे अंदर डालते हैं कि—कि इस बीमारी को बाहर निकाल दें, ये कुछ और नुकसान कर देता है, और किसी और चीज के लिए उपजाऊ बना देता है। समझे? अब वह यह नहीं करता। समझे?

112 अब कोई, आप में से बहुत से लोग खेतों पर से आए हैं, कोई भी जानता है कि अच्छे स्वस्थ पौधों को किसी छिड़काओ की आवश्यकता नहीं होती। इसमें—इसमें स्वयं में भगाने वाला होता है वह जीवन का, और कीटाणु इस पर आएगा भी नहीं, उस वास्तविक स्वस्थ पौधे पर। यह गर्मी का पौधा है यह वह दोगला पौधा है, आपको इनकी देखभाल करनी पड़ती है!

113 उदाहरण के लिए यहां कुछ पश्चिमी लोग हैं। पुराने समय की लंबे सींग वाली गायो को याद करें। आज आप कहते हैं, आपके पास अच्छी गाय है हेयरफोर्ड से मिली। क्या आप? आपके पास नहीं है। वे लंबे सींग वाली गाये, उस बूढ़ी वाली को नहीं ले रहे हैं, परंतु सर्दियों में वह बाहर हिरण के समान होगी। ओह, वह पतली और चीज होगी, परंतु वह दो गुनी...

114 यह हेयरफोर्ड, आप उसके नीचे चारा खींचे, जब आप उसका चित्र पेट तक उतारते हैं कि उसका मांस पिछली पंगों तक दिखाते हैं। और यह क्या है? आप उसे बाहर खोल दे, वह मर जायेगा, वह जाड़ा नहीं काट सकती, यदि उसे काटना पड़े। आपको उसे खाना खिलाना है, और सब कुछ उसकी देखभाल के लिए, उसे चारों ओर से पुचकारते देखते भालते रहे, वह दोगली है। समझे? परंतु एक वास्तविक मूल लंबे सींग वाली, उसे जरा खोलें।

115 आज हमारे मसीहो के साथ यहीं है। आज हमारे पास बहुत से है, हमें उनकी चापलूसी और निवेदन करने होते हैं कि उन्हें कलीसिया में डिकन बनाए, पीठ थपथपाये, और अच्छे पद पर कलीसिया में रखें। या, यदि आप नहीं करते हैं, क्यों, वह नहीं आएगा, यदि आप *यह* नहीं करते हैं, *ये* वह *आदि–आदि*। यह देखभाल करना।

116 क्या आप एक वास्तविक मसीही से ऐसा होने की कल्पना करते हैं? वे कठोर और मजबूत होते हैं। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि संत पौलुस इस प्रकार का मसीही था, क्या आप कल्पना कर सकते हैं, पतरस, "अब—अब, यदि आप मुझे बिशप नहीं बनाते हैं, मैं नहीं जानता कि मैं *अमूक–अमूक* में सदस्य हो जाऊंगा"? वे मजबूत लोग। वे विश्वास के लोग। वे परमेश्वर के संग रहे, वे परमेश्वर के संग चले, वे थोड़ा बोलने वाले, उन्होंने परमेश्वर की सेवा दिन और रात निरंतर की। आपको उन पर छिड़काव नहीं करना, और उनकी देखभाल और उन्हें *यह, वह* और *आदि* दे। वे कठोर पुरुष थे! वे वास्तविक बीज थे, नामधारियों के दोगले नहीं।

117 "यदि आप, मैथोडिस्ट के लोगों मुझ से ठीक से व्यवहार नहीं किया, मैं बैपटिस्ट में चला जाऊंगा। बैपटिस्ट ने सही व्यवहार नहीं किया, मैं पेंटीकोस्टल में चला जाऊंगा। यदि उन्होंने सही व्यवहार नहीं किया तो मैं वापस कैथोलिक में चला जाऊंगा या और जो भी हो।" देखिए, ये दोगले इन पर छिड़काव करते रहो, "जी हां, डॉक्टर आदरणीय भाई *अमूक–अमूक*।" यह मसीहत नहीं है।

118 मसीहत कोई उपनाम नहीं पूछती—पूछती, कोई पक्ष नहीं मांगती, यह केवल परमेश्वर को जानती है। यह मूल बीज है, यह परमेश्वर से प्रेम करता है, और एक दूसरे से प्रेम। उन पर कोई छिड़काव नहीं होता, और उनकी देखभाल करनी और उनकी पीठ थपथपाते रहना और कहते रहे, "जी हां,

बहुत अच्छी *यह* महान मैं सोचता हूं कि *यह* बहन के लिए ठीक है, कि छोटे बाल रखें और *ये* वाले नहीं।" और—और ऐसी कोई बात नहीं है, और उन्हें *इसके* साथ चलने दे। यह मजबूत है, यह सुसमाचार है! इसे वहां बाहर रखें, इसे जहां चाहे डाल देंगे। मसीही, इससे प्रेम करते हैं।

क्या मुझे जाना चाहिए, स्वर्ग को
आराम, फूलों की सेज पर
जबकि दूसरे इनाम जीतने के लिए लड़े
और लहू के सागर से पार हुए?

119 क्या मेरी पीठ थपथपायी जानी चाहिए और *यह* और *वह* और *इत्यादि* बालको जैसी देखभाल? मैं अपने स्थान की आशा वहां कठोर मजबूतो के साथ करता हूं, मैं आशा नहीं करता कि मैं बिना दागों के ईनाम के साथ आऊं।

यदि मुझे लड़ना ही चाहिए, यदि मुझे राज्य करना
चाहिए, तो मेरा साहस बढ़ाए, प्रभु!

120 देखिए, मुझे मसीही के समान खड़ा होने दे। ना कि एक—एक दोगला पौधा, जिसे देखभाल और थपथपाना होता है और किसी चीज में लेकर आए। जो भी हो, आप मसीहत में लाए नहीं गए, आप मसीहत में जन्मे है। आप एक नई सृष्टी हो गए, आप परमेश्वर के बीज है, जो पृथ्वी पर आया है।

121 अब हम पाते हैं कि उसने छिड़का, यह विष छिड़का, और ये छिड़काव जो छिड़का गया, आधुनिक समझ का, शिक्षा का, विज्ञान और सभ्यता था, वही चीजें जिनको हम बहुत संजोए रहते हैं। क्या आपने रुक कर कभी सोचा कि हमारा बड़ा शत्रु जो आज स्वाभाविक जीवन में है, हमारे राष्ट्रों के मध्य में साम्यवाद है? आज का ईश्वर राष्ट्रों के बीच में क्या है, साम्यवाद? साम्यवाद का ईश्वर क्या है? सभ्यता, और शिक्षा, विज्ञान क्या यह ठीक बात नहीं? यही जिस पर वे जीते और फूलते हैं, विज्ञान, वैज्ञानिकता, विज्ञान, विज्ञान का ईश्वर। अब यदि आप चाहें... और विष के छिड़काव के साथ, इस आधुनिक सभ्यता, विज्ञान और शिक्षा है।

122 अब मुझे यह सिद्ध करने दें कि शिक्षा और सभ्यता शैतान की ओर से आती है। अब आइए, यहां वापस चले और देखें, यदि आप उत्पत्ति के चौथे अध्याय में, ठीक है, आइए उत्पत्ति का चार, सोलह वे पद से

आरंभ करें। चौदह यहां या... उत्पत्ति चार मुझे क्षमा करें। अब ध्यान दें, शैतान...

123 आप लोग, जो इन टेपों का अनुकरण करते हैं, यहां हमारे—हमारे भाइयों के साथ, आपने मुझे *सर्प के वंश* पर प्रचार करते सुना है, और इसका इन्कार नहीं किया जा सकता। ये उन सात मोहरों में से एक में खोला गया। यह छिपा हुआ था।

124 अब यदि बालक इस प्रकार से ऊपर बढ़े, देखिए, इस प्रकार की शिक्षा में, यही जो उनके माता–पिता थे, उनमें उनके मां–बाप का स्वभाव है उनके नामधारी और आदि–आदि, उन्हें यह विश्वास करना ही है। वे यह विश्वास करते हैं, क्योंकि वे इन अभिभावकों के अधीन जन्मे है, परंतु आज उन अभिभावक के अधीन नहीं जन्मे, हमारा अभिभावक वचन है, और वचन... "ठीक है," कहते हैं, "मैं परमेश्वर के अधीन भी जन्मा था।" उस युग के लिए, परंतु यह चरमोत्कर्ष युग है यह युग उन नामधारियों से आगे हैं।

125 यह आना ही था, आना ही चाहिए, परमेश्वर ने ऐसा ही ठहराया है कि वहां आना ही है, उन सात मोहरो को खुलना चाहिए, इसे लोदिकियायी युग में होना था। और मैं किसी भी संदेह से परे सोचता हूं... ना कि जैसे हम घमंड करते हैं, हमें घमंड नहीं करना, केवल यीशु मसीह पर हम में से किसी को भी नहीं, हम केवल यीशु मसीह पर घमंड करते हैं। परंतु हम के साथ धन्यवादित है, जानने के सौभाग्य के लिए, किसी के द्वारा... किसी भी संदेह से परे, परमेश्वर ने हमें इन अन्त के दिनों में चुना है, और स्वर्गीय चिन्हो के द्वारा, यह प्रमाणित किया गया और पृथ्वी पर; उन में से प्रत्येक सीधा वचन पर वापस आता है, यह प्रमाणित करने को कि यह ऐसा ही है, यह युग जिसमें हम जीते हैं, वह संदेश और यह कैसा है। हम संप्रदाय नहीं हैं, हम धर्मांधतो का झुंड नहीं, हम परमेश्वर के दास, जो पवित्र आत्मा द्वारा बुलाए गए हैं। आपको सब प्रकार के नाम दिए जाएंगे, परंतु इसका यह अर्थ नहीं है।

126 अब स्मरण रखें, शैतान का पुत्र केन था। अब मैं सोचता हूं आप इन सब टेपों को सुना है जो कि मैंने यहां आपकी पुस्तकालय में देखा है, उनको। अब स्मरण रखें, हवा शैतान से गर्भवती हुई और उसी दिन... अब ट्यूसान में हमारे पास एक मुकदमा है, यदि वह हो जाती है... वह दो पुरुषों के साथ

रही, वह दो भिन्न प्रकार के बालक जन्मा सकती है। हम यह जानते हैं, मुझे यह कुत्तों के पैदा होने में पता चला, और आदि–आदि, यदि यह सही प्रकार से है।

127 इसलिए शैतान, संभवत: है, उस प्रात: वह उस दृष्ट से मिली जो कि सर्प था... रेंगने वाला नहीं, परंतु एक पशु; सबसे धूर्त, चालाक और सारे पशुओं में तेज बस मनुष्य के नीचे वाला। और मनुष्य स्वयं में पशु और हम स्तन धारी है, गर्म लहू वाले जानवर।

128 और—और यहां शैतान अगली कड़ी था, यह सर्व मनुष्य से अगली चीज चिम्पाजी से जो कि मनुष्य और—और चिम्पाजी के बीच का। अब विज्ञान उस खोई हुई कड़ी को ढूंढ रहा है और इसे नीचे ले आने से। यह इतना छिप गया यहां तक कि हड्डियां भी मनुष्य जैसी नहीं लगती, देखिए, उसे रेगने वाला बना रहा है।

129 अब, हम पाते हैं, कि इसने हवा को अदन की वाटिका में पाया, यह युवा स्त्री पाप को नहीं जानती थी, उसका नंगापन क्या है, नहीं जानती थी। और वह जानता था, वह तेज, चालाक, बुद्धिमान। और उसने उसे बताया, "वह बीज, वह फल मनभावना था, और यह चाहने योग्य था," और... जब वह उस प्रात: उसके संग रहा।

130 और फिर, देखिए दोपहर बाद, उसने आदम को वही चीज करने के लिए उकसाया, उसे बता रही थी कि यह क्या था।

131 और तब आदम जानबूझ कर जानते हुए कि उसे यह नहीं करना चाहिए, अपनी पत्नी के साथ गया और यह व्यवहार किया। और अंतत: जो कि वह इस पर आ गया। परंतु, देखिए, यह इसी प्रकार होना था परमेश्वर की बुद्धि, क्योंकि तब यह, यह बचाने वाले का, पिता का चंगाकर्ता का गुण दर्शाता है, अपने मुझे इस पर प्रचार करते सुना है। अब, यदि यह नहीं किया गया था...

132 वह उन्हें स्वतंत्र आचरण शक्ति पर चले जाने देता कि वे व्यवहार करें। वह उन्हें यह करने के लिए नहीं बना सकता था, और फिर भी धर्मी बना रहता। परंतु वह उन्हें अपने बराबर बनाए रखता और स्वतंत्र आचरण क्रिया और फिर उन्हें यह; यह अपने आप करने देता, और उसे मालूम था कि वे यह करेंगे।

133 और इसलिए तब आप देखिए, तब जब आदम उसके संग रहा, उसने जुड़वा को जन्म दिया। और उनमें से एक शैतान का था; और उनमें से एक आदम का था, जो कि परमेश्वर का था। कैन और हाबिल।

134 और यह घटित हुआ। यहां ट्यूसान में एक मुकदमा है। श्वेत महिला एक प्रात: अपने पति के संग रही, और फिर दोपहर के बाद एक नीग्रो के साथ रही। और एक छोटे लड़कों में से... और छोटे लड़के पैदा हुए थे, उनमें से एक गच्छे सर वाला लड़का था, नीग्रो, और दूसरा वाला एक—एक हल्के बालों वाला बच्चा वास्तव में सुंदर। और—और, मैं सोचता हूं वह श्वेत पिता से यह प्रयत्न कर रही थी कि वह दोनो बालकों का पालन पोषण करें, और उसने कहा, "मैं अपने वाले की देख रेख करूंगा, परंतु उसके कि नहीं। निग्रो अपने वाले की देखरेख करे।" इसलिए आप देखते हैं कि यह सत्य है।

135 वहां सदा से जुड़वे रहे हैं। और यही कारण है... और छोटे झुंड, इसे ना भूलना, अंत के दिनों में कलीसिया जुड़वा होने जा रही है, "इतनी समीप के चुने हुओं को धोखा दे दे... " मती 24:24। कलीसिया होने जा रही है... यह पेंटीकोस्टल की कार्यवाही है, यह बहुत कुछ वास्तविक के समान है, जब तक कि "यह चुने हुए को ना भरमा दे, यदि यह संभव है।" और थोड़ी देर के बाद यदि मुझे मौका मिला मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि चुनाव कैसे आता है। यह उन्हें धोखा देने जा रहा है, क्योंकि यह लगभग वैसा ही है। देखिए, दो पिता, बस; एक ही माँ, एक ही कलीसिया, एक ही चलना, वही चीज, वही उपजाऊ भूमि, जहां वचन गिरता है परंतु उनमें से एक जैसे यहां पर दूषित है। आप समझे? तो कहे "आमीन" यदि आपने यह किया। [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] देखिए उनमें से एक मिलावटी है, क्योंकि यह गलत पिता है जो कि मैं किसी दिन सिद्ध करूंगा, यदि परमेश्वर ने मुझे करने दिया वह नामधारी पशु की छाप है। देखिए, यह गलत पिता है, यह लोगों को एक संगठन के लिए मथ रहा है, बजाये वचन के, देखिए, यह गलत पिता है, यह कैन की कार्यवाही है।

136 इस बार जब मैं घर जाता हूं, मैं एक विषय पर प्रचार कर रहा हूं, *सर्प के पद चिन्ह;* वह पशु आरंभ में, और वह पशु अंत में; उसके पदचिन्ह बाईबल से हैं और दर्शाया कि वह कैसे आगे बढ़ा। समझे? आप सब इसे टेलीफोन पर ले पायेंगे, आप देखिए, यदि प्रभु ने हमें यह करने की अनुमति

दी। और अब देखिए कि यह कितना चतुर है, कैसे वह बिल्कुल ठीक... भाई वे बिल्कुल यहूदा और यीशु की तरह है, अपने गोत्र में दोनों भाई, जैसे ऐसाव और याकूब। और—और जैसे कौवे और पंडुकी के समान एक ही हाल पर बैठे हैं। और हर चीज जुड़वा है इस महान संग्राम में—में जिसमें हम हैं।

137 शत्रु धोखे का प्रयोग करता है, जैसा उसने हवा के साथ किया, "ओह, परमेश्वर ने कहा? निश्चय ही, परंतु—परंतु निश्चय ही... " समझे?

138 देखिए, उसी बात पर विवाद करता है, जो परमेश्वर ने मूल में कहा, "तू मर जायेगा!"

139 उसने कहा, "हां, परमेश्वर ने कहा कि, परंतु निश्चय... " देखिए उसने इस पर छिड़क दिया? समझे? परंतु परमेश्वर क्या कहता है, वह बना रहता है उसे शैतान से किसी सहायता की आवश्यकता नहीं। वह इसे बनाए रखता है, इसलिए इसके द्वारा कभी भी धोखा ना खाएं। अब हम वचन देते हैं, फिर, ये अपने ही प्रकार का लेकर आता है। अब यहां उत्पत्ति में हम पाते हैं, इस ज्ञान के विष को, छिड़कने के बाद।

140 अब, विज्ञान एक ज्ञान है, और सब जो हम सुनते हैं, "विज्ञान है, विज्ञान विज्ञान, विज्ञान।" विद्यालय का बड़ा विषय: विज्ञान है! आज, एक अच्छा वाहन, एक *यह* अच्छा, एक अच्छा घर, एक अच्छा मकान, *यह, वह* अच्छा। हम क्या कर रहे हैं? सारे समय मर रहे हैं। एक वाहन की रचना की हमने पैदल चलना छोड़ दिया; पैदल चलना छोड़ दिया, हम चर्बी में बदल जाएंगे, और हम और अधिक मनुष्य नहीं रहेंगे, हम जैली मछली हो गए। यह ठीक बात है।

141 और स्त्री, वह कुल मिला कर यह करती है, कपड़े फैकती है, और फिर [भाई ब्रन्हम किसी चीज पर टक करते हैं—सम्पा।] बटन दबाती है और यह हो गया। जब आपकी मां झरने पर पानी लाने जाया करती थी और लकड़ी काटती, और कहीं एक डेगची उबालती, और—और कपड़ों को इस प्रकार से रखती। और हम इतने नाजुक है, यदि वे ये करेंगे तो यह हमें मार डालेगा। परंतु, हम कुछ नहीं कर सकते थे, ये युग है जिसमें हम रह रहे हैं।

142 यहां तक कि अब विज्ञान कहता है कि, "छोटी लड़कियां रजनोवृत्ति में आ रही है, युवा लड़कियां 20 से 25 वर्षों के बीच की।" मैं उनसे पंक्ति

में मिला हूं। "और युवा पुरुष अधेड़ उम्र में 20 से 25 वर्षो के बीच के।" मेरी मां... मेरी पत्नी 35 से 40 के लगभग में हुई मेरी मां 45 से 50 के बीच में हुई। देखिए, कैसे उनका अहास हो रहा है इन अंत के दिनों में। क्योंकि क्यों? हम विज्ञान पर बहुत कार्य कर रहे हैं।

143 डेढ़ सौ वर्षो पहले मनुष्य केवल घोड़े या पैदल यात्रा करता था। और अब वह जैट से जाता है, लगभग विचार के द्वारा, विज्ञान ने यह कर दिया, यह शैतान का है। अब आप कहते हैं, "यह ठीक बात है, भाई ब्रन्हम?" जी हां, श्रीमान।

144 आईये, अब उत्पत्ति 4 को लेते हैं।

और तब कैन यहोवा के सम्मुख से निकल गया...

145 अब ध्यान दें कि उसने सबसे पहली चीज क्या की (आप मुझे बताएं जब आप सोचते हैं यहां हमारे पास काफी है, क्योंकि मैं इसे कहीं भी रोक दूंगा।) देखिए, "कैन यहोवा के सम्मुख से निकल गया।" वहीं उसने वह गलती की और वहीं पर आप गलती करेंगे, और यही मैं गलती करूंगा, उसी घड़ी जिसमें हम परमेश्वर कि उपस्थिति से निकल जाते हैं।

... कैन ... यहोवा सम्मुख से निकल गया, और नोद नाम देश में जो अदन के पूर्व कि ओर है रहने लगा।

146 देखिए, यह कितना धार्मिक या "पूर्व" की ओर निकल गया, पूर्व की ओर।

जब कैन अपनी पत्नी के पास गया; तब वह गर्भवती हुई, और हनोक को जन्मी फिर हनोक ने नगर बसाया (देखिये, सभ्यता) *उसने नगर बसाया, और उस नगर का नाम अपने पुत्र के नाम पर, हनोक रखा।*

और... हनोक से इराद उत्पन्न हुआ और इराद... और इराद [टेप पर खाली स्थान।]

... ने दो स्त्रियां ब्याह ली जिनमें से एक नाम आदा और दूसरी वाली का सिल्ला है।

और आदा ने याबाल को जन्म दिया... वह तम्बूओ में रहना और जानवरों का पालना।

इन दिनों रीतियों का उत्पादक हुआ और उसके भाई को नाम युबाल है (मैं समझता हूं, J–u–b–a–l) *वह विणा और बांसुरी आदि बाजो के बजाने की सारी रिति का उत्पादक हुआ।* (देखिए संगीत; विज्ञान आ रहे है।)

और सिल्ला... ने भी तू तूबलकैन नाम एक पुत्र को जन्म दिया वह पीतल और लोहे के सब धार वाले (दूसरे शब्दों में दलाई और साथ मिलाना।), *और तूबलकैन की बहन नामा थी।*

लेमेक ने अपनी पत्नियो से कहा हे आदा और हे सिल्ला मेरी सुनो, हे लेमेक की पत्नियों; मेरी बात पर कान लगाओ मैंने एक पुरुष को जो मेरे चोट लगाता या अर्थात एक जवान को जो मुझे घायल करता था, घात किया है।

जब कैन का पलटा सत्तर... सात गुणा लिया जायेगा, तो लेमेक का सत्तर... गुणा लिया जायेगा।

147 अब ध्यान दें, जैसे ही वे यहोवा की उपस्थिति से निकल गए, उन्होंने नगर बसाने आरंभ कर दिए उन्होंने यंत्र बनाने आरंभ कर दिए; वे विज्ञान में शुरू हो गए पीतल और लोहे के बनाने वाले, और—और संगीत बजाने वाले और आदि–आदि। समझे? समझे? अब यह कहां से आया? कौन चला गया? कैन, सर्प का वंश का। आप यह समझते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] कैन बाहर चला गया। और ध्यान दें, वह यहोवा की उपस्थिति से बाहर निकल गया, और विज्ञान पर कार्य आरंभ कर दिया।

148 अब देखिए अब भी यह कहां कार्य कर रहा है, देखिए, विज्ञान, शिक्षा, नगर, सभ्यता यह शैतान का है। किसने इसे आरंभ किया? शैतान, आज यह किसका है? शैतान। परमाणु बम और चीजें जिससे हमें नाश करें, हम इसमें रहते हैं हमें यहां रहना ही है। हम एक जीव है, हमें यहां रुकना ही है। परंतु परमेश्वर की महान सभ्यता में इसमें से कुछ भी ना होगा। समझे? और विज्ञान ले रहा है, प्राकृतिक चीजों को ले रहा है और दूषित कर रहा है, उन चीजों को करके जो कि यह नहीं करनी थी।

149 और ऐसे ही विज्ञानिक धर्म है! यह परमेश्वर के वचन को लेता है, और उसमें से एक संगठित कलीसिया बनाता है, बजाये इसके कि उन चीजों को करें, जो करनी चाहिए।

वे कहते हैं, "आश्चर्यकर्मों के दिन चले गए।"

बाईबल ने कहा, "वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।"

"दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है।"

150 "समस्त संसार में जाओ, और हर प्राणी को सुसमाचार प्रचार करो। जो विश्वास करेंगे उनके ये चिन्ह होंगे: मेरे नाम से वे प्रेत आत्माओं को निकाल देंगे; वे नई–नई भाषाएं बोलेंगे; यदि वे सांपों को उठा ले, या नाशक वस्तुएं पी ले इससे उन्हें हानि ना होगी; यदि वे अपने हाथ बीमारों पर रखेंगे तो वे चंगे हो जाएंगे।" क्या? तब सारे राष्ट्र, हर कोई, हर प्राणी। "देखो जगत के अंत तक मैं तुम्हारे साथ हूं, (कॉसमॉस) *संसार* के अंत, विश्व व्यवस्था, सारी चीज, नष्ट के अंत तक।" वह पूर्णत: वहां है!

151 और अब, देखिए, वे विज्ञान को लेते हैं, और कहते हैं, "ओह, भाई देखिए, जब तक हम एक साथ मिल कर कलीसिया के सदस्य बनते, और हम *यह* हो जाते हैं, या एक अच्छे सीधे सदस्य। हम अपना भुगतान करते है... "

152 देखिए, यह—यह नहीं कह रहा है, "ओह, परमेश्वर जैसी कोई चीज नहीं" आपने अंतिम दिनों झूठे मसीहो पर मेरा टेप सुनिए। देखिए, झूठे यीशु नहीं (शैतान इससे अच्छा जानता है) परंतु यह झूठे मसीही। *मसीही* का अर्थ है "अभिषिक्त।" और वास्तव में वे अभिषिक्त है, अभिषिक्त (किससे?) पवित्र आत्मा चिन्ह और चमत्कार करें। और वे ये करते हैं।

153 परन्तु, देखिये, जब यह आता है, तो हम अंत के युग में है ना कि पीछे के पेंटीकोस्टल युग में। वहां हम यहां अंत के युग में है, वहां हम यहां अंत के युग में है। और पहला युग वचन के साथ आरंभ हुआ जो कि मसीह था। और अंत के युग का अंत वचन के साथ है जो कि मसीह है। और यह दूसरी चीजें ये भूसे और आदि–आदि, जैसा कि मैंने स्पष्ट किया, ये केवल वचन को लाने वाले थे, कि उस उद्देश्य को पूरा करें, जब तक यह पूरे रूप में नहीं आता, देखिए, यह मूल बीज किसका था।

154 अब 25 वां पद।

> *और आदम अपनी पत्नी के पास फिर गया; और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, उसका नाम यह कह कर शेत रखा कि परमेश्वर ने मेरे लिए हाबिल की संती जिसको कैन ने घात किया एक और वंश ठहरा दिया।*

और शेत के... भी एक पुत्र उत्पन्न हुआ; और उसने उसका नाम एनोश रखा, उसी समय से लोग यहोवा से लोग यहोवा से प्रार्थना करने लगे।

155 देखिए, कैसे यह सर्प का वंश, विज्ञान, शिक्षा, नगरों और संगीत, और बड़ी–बड़ी चीजों में गया, और शिक्षा और विज्ञान, और आदि–आदि।

156 परंतु धर्मी का वंश यह कौन था... देखिए हवा का कोई वंश नहीं। आप यह जानते हैं। स्त्री के पास बीज नहीं होता, नारी, उसके पास अंडा होता है परंतु बीज नहीं। परंतु उसने... उसे ठहरा दिया, एक बीज परमेश्वर की न्यूक्ति के द्वारा, न्यूक्त किया, उसने बीज लिया, और महान वंश निसंदेह स्त्री से है, जो परमेश्वर ने दिया था। देखिए, परमेश्वर ने उसको एक वंश युक्त किया, उसके बदले जिसको कैन ने घात किया कि शत्रु, मृत्यु, सर्प का वंश मिलावट में वहां पर। आप समझे? परमेश्वर ने स्त्री के द्वारा एक वंश न्यूक्त किया जो कि मसीह है कि मूल वंश को फिर से वापस लाएं। आप समझे इसे? और इसलिए आप देखिए, व्यभिचार, शिक्षा और बुद्धिमानी और आज जो हम कहते हैं, विज्ञान और धर्म इसके द्वारा मृत्यु को लेकर आया, आदि–आदि, यह मृत्यु लाया। परंतु वह... उसे एक वंश न्युक्त किया और फिर मनुष्य ने यहोवा के नाम को पुकारना आरंभ किया, और फिर से वचन पर वापस आने लगा। समझे?

157 और स्मरण रखें, इस वंश का पीछा करें, जैसा कि हम कुछ सप्ताहों में इसके पदचिन्हो इस सर्प को देखेंगे। आप इसका पीछा करें, यह ठीक वचन में होता हुआ आया है। इस पर ध्यान दे वें दो दाखलताये साथ–साथ बढ़ती है जैसा कि आपने मेरा संदेश "दाखलता" सुना है। ये एक साथ ऊपर आते हैं, और एक दूसरे की इतनी समानता में है कि यह लगभग चुने हुए को धोखा देगा यदि संभव हुआ, अंत के दिनों में जब यह सिर की ओर आता है। यह गेंहू के समान एक बीज उत्पन्न करेगा, परंतु यह गेंहू नहीं है, यह अब भी भूसी है।

158 अब, इनकी सभ्यता शिक्षा को देखे, मैं सोचता हूं, अभी मेरे पास लगभग और दस वचन है, आप देखिए, यहां लिखे हुए हैं, परंतु मैं सोचता हूं इन्हें ना लू। परंतु इसके द्वारा हम समझते हैं कि शिक्षा, विज्ञान और सभ्यता शैतान का है। यह ठीक बात है, यह परमेश्वर का नहीं है, यह शैतान का है। अब,

मैं यह नहीं कहता कि आपको यह नहीं लेना चाहिए। नहीं, निश्चय ही नहीं। और थोड़ी देर बाद हम यह सिद्ध करेंगे; कि परमेश्वर...

159 जैसे कि आप कपड़े पहने रहे हैं, आप महिलाये, हम पुरुष, हमें आरंभ में कपड़े नहीं पहनने थे। परंतु, देखिए, इस युग में जीते हुए जो कि हम हैं हमें कपड़े पहनने चाहिए, हमें यह करने के लिए न्युक्त किया गया है। हमें उन्हें पहनना चाहिए, परंतु आरंभ में हमें नहीं पहनने थे, क्योंकि हम पाप को नहीं जानते थे। परंतु अब हमें पहनना चाहिए।

160 अब हमारे पास होना ही है, अब हमें जगह–जगह जाकर मिलना आदि करना है, वाहनों से और विज्ञान और आदि–आदि, परंतु यह परमेश्वर का नहीं है, यह परमेश्वर का नहीं है। शिक्षायें परंतु वे...

161 परमेश्वर का रूप, शिक्षा, सभ्यता, विज्ञान उसकी अपनी मूल अवस्था में ये इसके आगे जाता है, जो हम कर रहे हैं।

162 अब देखिए, वे किसी निश्चित चीज को लेते हैं, और उसमें कुछ निश्चित चीजे मिलाते हैं, और यह वह रसायन बनाता है जो नष्ट करेगा। अब उन्हें उसी स्थिति में रहने दे, वे ठीक है; उन्हें एक साथ मिलाना, यह सब गलत है। समझे? देखिये यह मृत्यु को लाता है।

163 और जब आप परमेश्वर का वचन लेने का प्रयत्न करते हैं, और इसे इस संसार के धर्म में मिलाते हैं, तो आप अपने लिए मृत्यु लाते हैं। यह प्रजा को मारता है। देखिए, मेरा क्या अर्थ है? यह व्यक्ति को मारता है। आप कहते हैं, "अच्छा, अब देखिए, आप परमेश्वर में विश्वास करते हैं।"

"अब, आपको *यह* विश्वास नहीं करना पड़ेगा। यदि आप—आप—आप... हमारी कलीसिया।" ठीक तब ही, यह धूमधाम है, जो मारता—जो मारता है, यह प्रजा को मारता है।

164 आपको हर चीज को एक ओर करना है, और केवल वचन को ले, ठीक वचन के संग बने रहे, मत छोड़े, जब परमेश्वर ने ऐसा कहा, बस यही है। मैं चिंता नहीं करता कि शिक्षा क्या सिद्ध कर सकती है।

165 नूह के दिनों में, वे सिद्ध कर सकते थे कि वहां आकाश में पानी नहीं है, परंतु परमेश्वर ने कहा वह नीचे आ रहा है और वह बरसा। यह ठीक बात है।

166 वे आज कहते हैं, कि, "वहां बरसने के लिए कोई आग नहीं है।" परंतु ध्यान दें, एक दिन यह गिरेगी। ओह। "हम कैसे *यह, वह* करने जा

रहे हैं?" ध्यान दें, परमेश्वर यह करता है। वह करेगा। उसने कहा वह यह करेगा।

167 और यह वंश कहीं अपनी जड़ पकड़ेगा, उपजाऊ भूमि है, कही जो इसे लेगी। परमेश्वर की महिमा हो!

168 यह किसी में आरंभ होगा, और वे इसे दूषित करेंगे, और इसे छिडकेगे, जैसा उसने हवा से किया, यह हवा से आरंभ हुआ, क्योंकि उसमें पैठ गया, और परमेश्वर के पुत्रों को जन्माया ना कि शैतान के पुत्र। परंतु वह उपजाऊ भूमि थी, और यह गलत स्थान में गिरा, ऐसे ही वचन अविश्वासी या सन्देह करने वाले, या संशयवादी पर गिरता है यह उनमें से कलीसिया के सदस्य बनाता है। परंतु परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां कभी नहीं। आप उन्हें बताएं कि वे अपने बाल बढ़ने दे, वे आपके मुंह पर हंसेंगे। आप उनसे *यह, वह* करने को कहें या पुरुष आप ये करे वे आपके मुंह पर हंसेगे। यह परमेश्वर के पुत्र नहीं है, यह गलत उपजाऊ भूमि है तौभी वे बीज को थामे है। देखिए झूठे अभिषिक्त? वे अभिषिक्त है, जी हां, पवित्र आत्मा से भाषाओं में बोलते और चिन्हो को दिखाते और आश्चर्यकर्म; परंतु यह शैतान का है।

169 यीशु ने कहा, "उस दिन मेरे पास बहुत से आकर कहेंगे, 'प्रभु, प्रभु, क्या मैंने प्रेत आत्माएं नहीं निकाली, और—और बड़े–बड़े कार्य किए और आपके नाम में आश्चर्य कर्म?'" उसने कहा, "अधर्म के काम करने वालों मुझसे दूर हो।"

170 दुष्टता क्या है? दाऊद ने कहा, "यदि मैं अपने ह्रदय में दृष्टता का विचार करूं, परमेश्वर मेरी नहीं सुनेगा।" समझे?

171 दुष्टता या अधर्म कुछ ऐसा जो आप जानते हैं कि आपको करना चाहिए आप इसे नहीं करते। आप भली प्रकार जानते हैं, परंतु इसे नहीं करेंगे। यह अधर्म है, देखिए। आप जानते हैं उन्हें परमेश्वर के वचन के साथ बने रहना चाहिए, पर कलीसिया के कारण या किसी और के कारण या किसी चीज के कारण आप परमेश्वर के वचन पर नहीं रहेंगे और जो संगठन कहता है, करते हैं। भाई, मैं नहीं जानता हमारी कलीसिया कहती है, हमें *इस* प्रकार से करना चाहिए, और मैं विश्वास करता हूं ये इसी प्रकार है।

172 देखिए, यह ठीक आपके सामने है कि आपको यह नहीं करना चाहिए यही अधर्म है या दुष्टता। "अधर्म के करने वालों, मुझ से दूर हो जाओ।"

173 पहले कुरन्थियों तेरा में संत पौलुस को देखिए, उसने कहा, "यद्यपि मैं मनुष्यो और स्वर्ग दूतो की बोलियां बोलूं... " अब आप जो चाहते हैं, या कोई भी चाहता है, पवित्र आत्मा का प्रमाण रखना चाहता है? पौलुस ने कहा, "यद्यपि मैं मनुष्यो और स्वर्ग दूतो की बोलियां बोलू और प्रेम ना रखू, " जैसा कि यहां आप सब के बीच में है, "मैं कुछ भी नहीं।" समझे?

174 जी हां, भाषाएं बोल सकते हैं, क्योंकि यह शब्द (वचन) है। एक प्रचारक इस वचन को ले सकता है, और आगे बढ़ कर प्रचार कर सकता है, और यह वचन कह सकता है, यह वचन बढ़ेगा। परंतु एक प्रचार स्वयं में ढोंगी हो सकता है, यह वचन है। समझे? परंतु परमेश्वर का एक सच्चा जीवित प्राणी सारे उद्देश्यों को लेता है, वचन को, "मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परंतु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" और आप इसमें कुछ मिला देते हैं, तो आपको एक मिलावटी पौधा मिलता है।

175 यदि मैं यहां गेहूं से आरंभ करता हूं, और इसके साथ एक—एक छोटा धतूरा मिला देता हूं और उन्हें वापस में मिला उत्पन्न करता हूं, यदि यह पराग कण के द्वारा किया जा सकता है, और उसमें डाल दे, तो मुझे धतूरा गेंहू मिलेगा। समझे? यह गेहूं जैसा लगेगा, परंतु फिर भी यह एक धतूरा है, यह वास्तविक जीवन नहीं, यह स्वयं को फिर नहीं जन्मा सकता। समझे? यह आएगा, परंतु यह स्वयं को उत्पन्न नहीं कर सकता।

176 एक—एक—एक गधा, घोड़ी के साथ जन्मा सकता है, और खच्चर उत्पन्न करेगी, परंतु वह खच्चर, खच्चर को नहीं जन्मा सकता। यह मिलावटी है।

177 "हर वचन अपने ही प्रकार को उत्पन्न करेगा।" देखिए, यह एक बार जन्मा सकता है। और एक कलीसिया एक संस्था के समान आ सकती है, एक बार, परंतु यह फिर से स्वयं हो नहीं जन्मा सकती; यह दूसरी संस्था ले कर आएगी। लूथरन, लूथरन को नहीं जन्मा सकते, यह मैथोडिस्ट को लेकर आएगा और मैंथोडिस्ट, पेंटीकोस्टल को ले कर आएगा। देखिए, यह फिर नहीं जन्मा सकती, क्योंकि यह मर गई, यह बेदारी आरंभ नहीं कर सकती, परमेश्वर ने कहा, किस संस्था में कभी बेदारी आरंभ की? अपने इतिहास में देखो। उसने कभी नहीं किया, यह संस्था बेदारी के बाद उभर कर आयी।

178 जब लूथर परमेश्वर का जन पवित्रीकरण के संदेश के साथ आया, उसके बाद लूथर कलीसिया आयी, वे कभी नहीं बना सके।

179 तब परमेश्वर ने जॉन वेस्ली नाम का मनुष्य भेजा और उसके पीछे एक बेदारी आयी। वे क्या करेंगे? इसे संस्थागत किया। स्वयं को फिर से कभी नहीं उत्पन्न कर सके। यह बांझ है।

180 हाल्लेलुय्या! परंतु परमेश्वर का वचन सदा जीवित रहेगा! यह ठीक बात है, यह अपने ही प्रकार का लेकर आएगा।

181 अब यहां पेंटीकोस्टल आये, वह नहीं कर सकता, देखिए, इसने क्या किया, संस्थागत हो गया। यह फिर से स्वयं को उत्पन्न नहीं कर सकता। उनके पास ओरल रॉबर्ट और आदि–आदि हो सकता है, सारे राष्ट्र में, वह यह नहीं कर सकता, यह फिर से वापस पुराने जन्मे खच्चर पर रुक जायेगा। यह नहीं कर सकता! कोई मतलब नहीं, इसको कितने इंजेक्शन लगे, वह रुक गया, इसके कितने भी आत्मिक मामले हो या जो भी है... और आप, आप व्यस्क हैं, आप जानते हैं कि मैं क्या बात कर रहा हूं। कोई मतलब नहीं, कितने पति और पत्नियां उसके हैं, या और जो भी है, और कितनी भी शाखाये वे इससे बनाते हैं छोटी कलीसियाये और संस्थाये, यह बेदारी उत्पन्न नहीं कर सकते, यह समाप्त हो गया। ये वचन को पार करके संसार में चले गए, ये स्वयं को फिर से नहीं जन्मा सकते। परमेश्वर कुछ और उठाएगा, और अपने वचन को आगे बढ़ाना आरंभ करेगा, और यदि यह संस्थागत होता है, तो यह भी मर जायेगा, यह ठीक बात है। यह स्वयं को नहीं उत्पन्न कर सकता क्योंकि यह मिलावटी है। यह ठीक बात है।

182 आज अपने मिलावटी अनाज को देखे। "जो कि सबसे अच्छा बीज है।" ये—ये एक मारने वाला है, यही जो आपको मार रहा है। आपके जीवन इसके लिए नहीं बने... आपके शरीर इसके लिए नहीं बने आपके शरीर मूल बीज के लिए बने थे। यही कारण है कि आपके पिता और मातायें और आदि–आदि लंबे जीवित रहे यही कारण है कि वे मजबूत थे। मनुष्य सत्तर और अस्सी वर्ष के कठोर और मजबूत थे, देखिए, वे प्राकृतिक चीजों पर जीवित रहे। वहां उन पहाड़ी लोगों को देखो, जो हिरनों और—और वास्तविक अनाजों पर जीवित रहे। एक व्यक्ति को यहां इस नगर में रखें; यहां यह बड़ा ढीला–ढाला लगभग पैतीस, चालीस वर्ष का। मुलायम? निश्चय ही! अच्छा मैं अपने विषय से हट गया, क्या नहीं?

183 ध्यान दें, परंतु मैं आपको इस सभ्यता पर लाना चाह रहा हूं, जिसे कि हम संस्कृति कहते हैं।, संस्कृति, इसके विषय में आपने बहुत कुछ सुना है। क्या आपने कभी मेरा आकलन संस्कृति के लिए सुना था? यह एक व्यक्ति जिसके पास इतना बल नहीं कि एक खरगोश मार ले, यदि कोई और मार दे, तो भर पेट खा सकता है, इसलिए यही जो मैं—मैं—मैं—मैं सोचता हूं, संस्कृति के लिए, ये—ये ठीक बात है। देखिए। हमारे पास नहीं...

184 परमेश्वर इसके द्वारा नहीं... परमेश्वर में यह मनुष्य की *सभ्यता* नहीं, आप उन्हें परमेश्वर में सभ्य नहीं करते, वह एक परमेश्वर का बीज। वह जन्मा है परमेश्वर से, सदा से परमेश्वर या और कभी–कभी कुछ नहीं हो सकता सिवाये परमेश्वर के। आपकी उसमें खेती नहीं की गई।

185 अब, कैसे उसका अपना अदन का प्रकार हुआ, और बीज को दूषित करने के द्वारा, यहां तक कि अब शैतान ने अपना महान—अपना महान अदन बना लिया। यह क्या है? संस्कृति, विज्ञान, सुंदर कलीसियाये, ऊंची चोटियां, अच्छे मंझे हुए प्रचारक, शिक्षित: "डी ए., डी., पी एच. डी, एल एल. डी, साहित्य के डाक्टरेट, डॉक्टर दिव्यता में, डॉक्टर!" हर बार आप इसका उच्चारण करते हैं यह उसे परमेश्वर से उतना ही दूर ले जाता है, उसे और दूर फेंक देता है। और भक्त मंडलिया नहीं चाहती कि कोई वहां खड़ा हो और "आघात, आहात शब्द का प्रयोग करें अपने पास रखें और साथ लाए, सामने लाए।" वे ये नहीं चाहते। वे कुछ सुंदर सा कुछ चाहते हैं।

186 यही चीज कैन के मस्तिष्क में थी, (उसके पिता ने आरंभ में) देश के फूल और फल भेंट चढ़ाये, जबकि परमेश्वर बलिदान चाहता था, एक व्यक्ति परमेश्वर के प्रकाशन के साथ, यह लहू था, ना कि नाशपाती या आलूबुखारा या ये जो भी था या आडू जैसा कि वे अब कहते हैं; यह लहू था जो कि हमें अदन वाटिका से बाहर लेकर आया, एक—एक भ्रष्ट लहू, एक स्त्री जिसने गलत व्यक्ति का बीज गर्भ में उगने के लिए ग्रहण किया और इसे आरंभ किया।

187 अब हम पाते हैं, समय पर संदेश प्रमाणित हुआ, जिस विषय में मैं आप से बोल रहा हूं कि इसे प्रमाणित करूं, आज मिलावट के दिनों पर ध्यान

दें, सुंदर जाति बनाने का यत्न कर रहे हैं। मिलावट को देखिए। पौधों के जीवन में देखिए। यहां पिछली गर्मी में...

188 यह इस गर्मी में था, ये था, मेरे पास एक छोटा जंगली फूल था, (वह मुझे कुछ मिनटों पहले दिखा रहा था, यह मेरे मस्तिष्क में आया) एक छोटा जंगली फूल, यहां मेरी क्यारी में था, मुझे उसमें दिन में दो बार पानी देना पड़ता था कि इसे जीवित रखू यह एक दोगला था। परंतु यह दूसरे छोटे पीले फूल से निकला था, जिस किसी चीज के साथ मिलाया गया था, कि इस फूल को बनाएं।

189 और यह छोटा पौधा वहां खड़ा था, जबकि आप दस फुट गहरा खोद सकते थे और इतनी भी नमी नहीं, नहीं कि थूकने जितनी। देखिए, ये था—ये था, देखिए, यह धूल में जी रहा था और जितना सुंदर हो सकता, ये था और इसे पानी नहीं देना था, यह मूल था। यह मिलावटी नहीं था। यह असली फूल था।

190 और इसमें कुछ मिलावटी थी, पानी देना ही था, और पालना था और इसकी देखभाल। समझे? *इसको* कुछ नहीं; कोई कीड़ा इस पर नहीं आता। इस पर छिड़काव करना था, और सब कुछ कि उसे जीवित रखें और मक्खियां और कीड़ों से बचाए रखें। यदि आप नहीं करते हैं, तो ये इसे मार डालेंगे।

कीड़े इसके पास नहीं आएंगे, आपको नहीं करना है!

191 ओह, यह वास्तविक सच्चा, नया जन्म प्राप्त मसीही। आप जिससे चाहे इसकी परीक्षा कर सकते हैं। वह अब भी मसीही है। उसे चाहे जहां परखे, वह अब भी एक मसीही रहेगी।

192 एक छोटी महिला यहां हमारे भाइयों में से, आपके कुछ लोग, उस दिन उन लोगों ने मुझे एक पत्र लिखा कहा, "पिता नहीं चाहते, कि मैं बेस बॉल के लिए जाऊं... या बॉस्केट बॉल खेलूं। भाई ब्रन्हम हम विश्वास करते हैं... " उसने कहा वह 12 वर्ष की थी, बोली, "भाई ब्रन्हम, हम विश्वास करते हैं कि आपके पास प्रभु का वचन है जिसमें से अब आप हमें बताएं।" कहा, "मैं इस प्रकार सोचती हूं कि पिताजी गलत है। परंतु," कहा, "आप क्या कहते हैं, मैं विश्वास करने जा रही हूं।" अब यह प्यारी छोटी लड़की, देखिए।

193 इसलिए मैंने सोचा, "अच्छा," मैंने कहा, "प्रिय, देखिए यदि आप मसीही है तो आप कहीं भी मसीही है। कोई मतलब नहीं आप कहां हैं, आप अब भी मसीही है। परंतु," मैंने कहा, "आप देखिए, उस बास्केट बॉल के मैदान में, पिता किस विषय में सोचते हैं आप उन बालकों को शपथ खाते और इस प्रकार से चलते हुए सुनते हैं, मैं अब भी विश्वास करता हूं कि आप एक मसीही होंगे, आप देखिए, पिता जीवन में आपसे बहुत आगे हैं। समझे?" अब, मैंने कहा, "अब आप 12 वर्ष की है, और आपने कहा कि आपकी छोटी बहन चार की है, वह चाहते हैं कि आप उसके लिए कागज की गुड़िया बनाएं, 'ओह, आगे बढ़े मेरे पास कागज की गुड़िया काटने को समय नहीं है,' देखिए, आपके पिता छोटी बहन से आगे हैं।"

194 अब यही जहां आज कलीसिया को होना चाहिए, परमेश्वर के वचन में और आगे। ना कि मैंथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल, प्रेसबीटेरियन; परंतु वचन में आगे कि परमेश्वर के पुत्र और पुत्री होने के लिए। ओह! ठीक है। ठीक है। संदेश समय से प्रमाणित हो रहा है।

195 विज्ञान के द्वारा, उसके विज्ञान और खोज के द्वारा आप देखते हैं, उन्होंने हर चीज को दूषित करने का प्रयत्न किया है, भिन्न प्रकार का बीज बनाया, कुछ अलग भिन्न बनाया, इसे और सुंदर बनाया।

196 हमारी बहनों को देखो, थोड़ी देर पहले मैंने टिप्पणी की वे कितनी सुंदर दिखती है इस विषय में। ओह, आप उन्हें संसार की प्रतियोगिता में खड़ा कर सकते हैं किसी ग्लोरिया स्वानसन के साथ या इनमें से किसी उघड़ी हुई और चीजें, जो यहां कैलिफोर्निया में है और वे इसे लाखों मील से चूक जाएंगे परंतु उनके नाम लोकप्रियता की पुस्तक में नहीं है यह जीवन की पुस्तक में है। देखा। ओह। "एक नम्र और दिन आत्मा परमेश्वर का महान खजाना है।" और बाईबल ने कहा हमारी स्त्रियों के लिए—के लिए "स्वयं को दीनता और नम्रता से संवारे, अपने पति के अधीन रहे और प्रेम में।" परमेश्वर की दृष्टि में इसका बड़ा मोल है। समझे? यह ठीक बात है।

197 ना कि यह सब यहां, यही जो उन्होंने किया है; मैक्स फेक्टर ने, स्त्रियों को बाहर से सुंदर बना दिया जो कि शैतान का है। ये सब चीजें शैतान की है। क्या आप ये जानते हैं? निश्चय ही ये शैतान का है।

198 अब मुझे स्मरण है मेरी पत्नी जब वह सुंदर युवती थी, उसने श्रृंगार नहीं किया। नहीं। वह आई और मैंने उसे यीशु नाम में बपतिस्मा दिया, जब

वह घुटने तक के कपड़े पहने थी, *इस* प्रकार से। परंतु अब वह बड़ी हो रही है, उसने कहा, "मेरे झुर्रियां पड़ रही है।"

199 मैंने कहा, "आप जानते हैं, जब आपकी आयु बढ़ती है, मेरी आंखें धुंधलकी हो रही है मुझे याद है आप कैसी थी, और मुझे याद है, और मैं अपने ह्रदय में जानता हूं कि तुम किसी दिन कैसी होने जा रही हो। समझे? समझे? देखिए, शांत और सुंदर आत्मा जो आपके पास है वहां परमेश्वर हमें फिर से मिलाएगा यही है तब हम फिर कभी नहीं बदलेंगे।" इसलिए...

200 परंतु, आप देखिए, नूह के दिनों में, जब परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्य की पुत्रियों को देखा कि सुंदर है, उन्होंने उन्हें अपनी पत्नी बना लिया। देखिए, परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्य की पुत्रियों को देखा, क्योंकि वे कामुक थी और—और इस प्रकार के वस्त्र पहने थी। उन्होंने उन स्त्रियों की कामना की और वे उनके लिए आगे बढ़े।

201 मैं धन्यवाद इस हूं कि आप परमेश्वर के पुत्र उससे आगे देखते हैं, कि कैसे वे स्त्रियां अपने को बनाती है। समझे?

202 परंतु यह क्या है? यह सब सुंदर है यह मिलावटी है, उनमें से कुछ को ले, और उनके मुंह धो दें, आप नहीं जान पायेंगे कि आपके पास क्या होगा। समझे? और यह ठीक बात है। संभव है लड़ने के लिए बहुत क्रोध भनभानाये सी कहावत और—और गंदा, और दूसरे व्यक्ति के संग इधर–उधर भागती फिर रही है।

203 मैं चिंता नहीं करता कि मेरी पत्नी क्या, मैं—मैं किसी भी स्त्री में ईमानदारी की सराहना करता हूं। जब मैं एक छोटा लड़का था, मैंने सदा कहा, "यदि नीग्रो स्त्री ने ईमानदार होना चाहा, तो मैं उसे उसी प्रकार से रहने देना देने के लिए अपने लोगों की अंतिम बूंद बहा दूंगा।" देखिए, जो ठीक है, मैं उसका आदर करता हूं, ठीक बात का। मैंने अपने सारे जीवन को ऐसे ही जीने का यत्न किया, उस समय में युवा था, अब मैं बुढा हूं, मैंने अपने विचार जरा भी नहीं बदले। समझे?

204 इसी नमूने पर विज्ञान, हवा ने किया उसने यह कलिसियाओं में भी किया कि उसे दूषित किया। वह आज अपनी योजना को चला रहा है, अपने मिलावटी वाली कलीसिया के द्वारा, आज हमारे पास उसका

आधुनिक अदन है। हम वैज्ञानिक अदन में जी रहे हैं, शैतान का अदन, एक वैज्ञानिक अदन।

205 यदि आप यशायाह 14:12 में निकालना चाहे, मैं आपको हवाला दूंगा यदि आप चाहते हैं, यदि आप चाहते हैं, 12 और 14।

> ... शैतान *ने अपने में कहा, मैं अपने को ऊंचे पर है चढ़ाऊंगा, उससे जो* सबसे ऊंचे *पर है।*
>
> उसके पास एक राज्य होगा जो ऐसा होगा कि परमेश्वर के पुत्र भी उसकी आराधना करेंगे।

206 और ठीक यही जो उसने किया। उसने यह कलीसिया के धर्म के द्वारा किया, जैसा उसने आरंभ में आरंभ किया। उसने यह किया।

207 जैसा कि भविष्यवक्ता पौलुस ने भी देखा, दूसरे थिस्सलुनीकियो, दूसरा अध्याय, कि वह—वह आगे बढ़ा... अपने, इस दिन के महान वैज्ञानिक अदन में, विज्ञान में, शिक्षा और सभ्यता में। और स्वयं को बनाया, और अंत में एकुमेनिकल याने सोर्व सभा में चला गया, जहां सारी कलिसियाये को उसके सामने झुकना था। जहां परमेश्वर अपने वचन के द्वारा बोला और उसके पास बिना मृत्यु वाला अदन था कोई विज्ञान कोई शिक्षा नहीं जैसा कि आज हमारे पास है या कोई सभ्यता नहीं। और देखिए कि यह क्या है? यह भ्रम की आत्मा जो लोगों के मध्य में कार्य कर रही है; परमेश्वर के पुत्र जो की परमेश्वर की समानता में बने हैं; और मनुष्य की पुत्रियां, जो कि मनुष्य की समानता में बनी है; उन्हें शारीरिक अधीनता में लिया गया, जैसा उसने हवा के साथ किया। और स्वयं को विज्ञान की अपनी कल्पना के द्वारा बना लिया, और शिक्षा और सभ्यता, जब तक कि वह स्वयं को आधुनिक वैज्ञानिक और मृत्यु के अदन में ले आये।

208 जहाँ, परमेश्वर अपने वचन के द्वारा बोला, और उसके पास बिना मृत्यु वाला अदन था; कोई विज्ञान नहीं, कोई शिक्षा नहीं, जैसे कि आज हमारे पास है, या कोई सभ्यता नहीं।

209 अब आप इसे देखते हैं, इसे समझते हैं? अब देखिए, उसके पास उसका अपना अदन है, सारी कलीसियाये उसकी आराधना करती है, यही जो उसने दूसरे थिस्सलुनीकियो में यहां कहा, उसने कहा।

> *... वह मनुष्य जो स्वयं को परमेश्वर कहलाता है, परमेश्वर के मंदिर में बैठा है...*

और सब... पृथ्वी पर है, झुकेंगे और उसकी आराधना करेंगे, जिनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे... पृथ्वी के रचने से पहले।

210 देखिए, यह आधुनिक अदन अदन है। अब वह स्वयं में क्या कर रहा है? वह स्वयं को आगे बढ़ा रहा है। रोम उसका अंतिम महान भोज, अदन का स्थान।

211 आप देखिए, उस दिन वह पोप यहां जहां आया? क्या आपने ध्यान दिया वे सब तेरह जो उस दिन हुए? उसने तेरह शब्द बोले, तेरह ने प्रभु भोज लिया, यांकी स्टेडियम में बोला जो कि तेरह है। हर चीज तेरह थी।

212 और हमारे राष्ट्र का नंबर तेरह है, प्रकाशितवाक्य के तेरहवे अध्याय में प्रगट होता है, तेरह धारियां, तेरह सितारे, तेरह रेखाये, सिक्को पर तेरह नंबर, हर चीज तेरह है, और एक स्त्री।

213 यहां पोप आता है, अध्यक्ष स्त्री का, झूठा, मसीहा विरोधी विज्ञान की झूठी दुल्हन के लिए, जो हमारा संसार, हमारा यहां पूर्वी अमरीकन याने पश्चिमी संसार जिसने विज्ञान में संसार की अगुवाई की। अपनी वैज्ञानिक कलीसिया में उसके पास आया, और अब सारे प्रोटेस्टेन्ट उसके सामने झुक रहे हैं, उस तेरह पर। आप इसे देखते हैं? हर चीज तेरह में है, हमारा सारा राष्ट्र, हर चीज तेरह है, स्त्री का संसार। देखिए, हम यहां पर है, यह हमारे पास है। यह स्त्री के संसार में बदल गया अदन की वाटिका में परंतु यह किसी दिन परमेश्वर का संसार होगा। अब ध्यान दें।

अब, भविष्यवक्ताओं ने भी इन बातों के विषय में पहले से बताया।

214 और अब सब फिर से वैसा सा ही आ गया, जैसे परमेश्वर पहले पृथ्वी पर मंडराया था, यह एक आत्मिक दुर्व्यवहार हो गई थी। निश्चय ही है।

215 यहां ध्यान दें, दूसरा अदन उस पहले के समरूप है कि चुने हुए को लेकर धोखा दे दे। अब ध्यान दें, कि अब मैं यहां तुलना करने जा रहा हूं कुछ मिनटों के लिए अब मैं रुकने वाला हूं, क्योंकि यह 11 बजे है और इसलिए सुनिए। यह दोनों वाटिकाये, कैसे यह अदन का प्रतिरूप करने का यत्न है, जैसे कि शैतान ने आरंभ में किया, उस वास्तविक अदन में हवा से किया जरा ध्यान दें, अब एक साथ प्रतिरूप है। देखिए, हम समझ गए, अब हर कोई स्पष्ट रूप से समझता है एक वैज्ञानिक वाटिका जिसमें हम रह रहे हैं। समझे? अब यह परमेश्वर की वाटिका नहीं थी।

216 परमेश्वर की वाटिका विज्ञान, शिक्षा, सभ्यता के द्वारा नहीं आती, यह वचन के द्वारा आती है, देखिए, ये सारी चीजों को ऐसे बुलाता है, ऐसे जैसे यधपि वे नहीं थी। अब अदन की वाटिका में ध्यान दें... हम इनकी थोड़ी सी तुलना करें।

217 अब ध्यान दें, वह मनुष्य और उसकी पत्नी अदन (वाटिका में... छिप गए) और जोड़ा नंगा था, और यह नहीं जानते थे। क्या यह ठीक बात है? परमेश्वर की वाटिका में जोड़ा नंगा था, और यह नहीं जानता था।

218 अब वे फिर से नंगे हैं, और यह नहीं जानते प्रकाशितवाक्य 3, लौदिकियायी कलिसिया युग।

> *क्योंकि तू... नंगा, दयनीय, कंगाल, अभागा और अंधा, और यह नहीं जानता।*

219 अब परमेश्वर के अदन में वे नंगे थे, और नहीं जानते थे और अब शैतान के अदन में विज्ञान और शिक्षा में होने के द्वारा, वे फिर से नंगे है, और यह नहीं जानते। क्या ही बिगाड़ है!

220 आज देखिए। मनुष्य को देखिए, अपनी पत्नी के अंदर के कपड़े पहनने का यत्न कर रहा है, और अपने बाल उसके समान बढ़ाना चाहता है। और वह अपने बाल उसके समान काट रही है। ओह, ओह प्रभु! पुरुष स्त्री के समान, स्त्री पुरुष के समान होने का यत्न कर रही है, एक विकृति!

221 बिल्कुल इसी प्रकार से कलीसिया कर रही है, वही चीज लौदिकियन युग। ध्यान दे।

222 कारण कि वे नहीं जानते कि नंगे थे, आरम्भ में वहां एक पवित्र आत्मा का पर्दा था, उस नंगे पर। वे यह नहीं जानते थे। पवित्र आत्मा उनकी आंखों पर था, वे भाई बहन को छोड़ और कुछ नहीं देखते थे, नियम, वे नहीं जानते थे कि नंगे हैं। पवित्र आत्मा!

223 अब अपवित्रताई की आत्मा, और अशुद्धता और कामुकता ने उन पर पर्दा डाल दिया है; शिक्षा, विज्ञान, "क्यों, यह वैज्ञानिक है। छोटे कपड़े पहनते हैं, यह ठंड़े हैं।" इंडियन आपको अधिक अच्छा सिखाते हैं। वे कंबल में लिपटे रहते हैं कि वातानुकूलित हो जाये, देखिए, उसे ओढ़ते हैं। देखिए, शिक्षा पूरी रीती से एक समय पर आ गई है, जिसे वे सोचते हैं कि संस्कृति और सभ्यता इससे आई है, उन्हें वापस अज्ञानता की ओर ले गई, जिस स्थान पर पहले थे, उससे अधिक बुरे।

224 विद्यालय, शिक्षा, विद्यालयों को देखें! और इन विश्वविद्यालयों को देखें उस रात्रि वे लड़के वहां उन युवा स्त्रियों द्वारा कितने बालक जन्माये गए होंगे, उन युवा स्त्रियों के द्वारा, हर वर्ष विश्वविद्यालय में! आप सोचते हैं! आप कहते हैं, "यह गली का कचरा है।" और वे लड़के वे, "इक्कीस ज्वेल," वे उन्हें पुकारते हैं लिपस्टिक लगाए हुए और उनके बालों की लटे लपेट कर घुंघराले और नीचे लटके हुए। वे यह कहते हैं। और गंदी गर्दने, गंदे! आप कहते हैं, "भाई, यह बस गली की कीचड़ है।" यह है? विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।

225 उस रात्री उन्होंने खूब मद्यपान किया, उन्हें नहीं मालूम कि क्या करना है और उन्हें चढ़ गयी। पीना और व्यभिचार, और इस प्रकार सब कुछ, यह उनके लिए काफी था। उन्होंने बोतले फोड़ी, लड़कियों के दरवाजे पर जाकर; दरवाजा खटखटाया, और उनके मुंह पर मुक्के मारे, एक लड़की की आंख पर से फट गया बाहर आ गई उनमें से बहुत से जीवन भर के लिए कुरूप हो गए। आप सोचते हैं वे उन्हें बाहर आने देंगे? नहीं।

226 उनमें से दो लड़के गली में ऊपर नीचे आ जा रहे थे, और युवा विवाहित स्त्रियां सीढ़ियों पर—पर बैठी थी, उन्होंने स्त्रियों का अपमान किया, सिपाहियों ने उन्हें पकड़ कर जेल में डाल दिया। डीन वहां पर आया, और उस विश्वविद्यालय में हर चीज फल फूल रही है, ये कार्य है जो वहां हो रहे हैं, कहा, "वे मेरे बालक है। आप उन्हें छोड़ दीजिए।" उन्होंने उन्हें छोड़ दिया।

227 आप इसी स्थान में है; सभ्यता, शिक्षा, मृत्यु की ओर ले जाती है और गड़बड़ी और नरक आप ऐसी चीजों को ना सुने। अब ध्यान दें।

228 हवा को बस थोड़ा सा झांकना था, देखने के लिए कि संसार कैसा दिखता है। आप जानते हैं बहुत सी बार, "हमें बस *यह* जरा सा पहनना होता है।" या आप जानते हैं कि मेरा क्या अर्थ है बस थोड़ा सा झांकना होता है कि देखें। अब यूहन्ना या...

229 पहला यूहन्ना 2:15, परमेश्वर ने कहा, "यदि आप संसार से प्रेम करते हैं, तो फिर परमेश्वर का प्रेम आप में है ही नहीं।" वे चीजे जो बाहर है मरी हुई है। आपका खतना हो गया। इससे अलग हो गए हैं, आप संसार की चीजों को नहीं चाहते इसके लिए आप मरे हुए हैं, वे मरे हुए हैं। आप कोई भी मरी चीज नहीं चाहते, यह सड़ा हुआ है, यह बदबूदार है, कैसे कोई

जीवित जो इस प्रकार का गंदा हो चाह सकेगा? आप मसीह में जीवित है। वचन आपको जीवित करता है।

230 ओह, जब मैं इस दिन के लिए सोचता हूं जहां हम जी रहे हैं, शिक्षा कहते हैं! आप प्रचार मंच पर भी नहीं आ सकते, जब तक आप डॉक्टर की डिग्री ना पा ले और आदि–आदि।

231 इससे मुझे एक बार एक चैपलन की याद आती है, जो सेना से निकल कर आया था। उसने कहा, "भाई ब्रन्हम," (यह ठीक पहले विश्व युद्ध के बाद की बात है।) कहा, चैपलन बोला, "सारजन्ट यहां आओ, और बोला, 'चैपलन क्या तुम मेरे साथ लड़ाई में आगे चलना चाहोगे वहां एरोगोन्ने में.'" वहां लासाले, लोरियां फ्रांस में, आप जानते हैं। और कहा, "मैं वहां एरोगोन्ने के जंगल की ओर गया और कहा और उसने इतने सारे टूटे फुके हुए टैको की गिनती की।"

232 और कहा, "यह ईस्टर की सुबह थी।" कहा, "मैं बस वहां से निकला... मैं नर्स के साथ वहां से निकला, और वह उन घायल लड़कों को बांट रही थी वह अमरिकन गुलाब, आप जानते हैं एक अमेरिकन जिसे आदत होती है। उन लड़कों ने वह गुलाब लिया, और बस रोने और चिल्लाने लगे, क्योंकि वह जानते थे कि यह घर से आया है।" देखिए, यह घर से था।

233 और इसी प्रकार से मैं सोचता हूं हम वचन को करते हैं, देखिए, ले लीजिए, "ओह, परमेश्वर!" यह घर से आया है। देखा।

234 कहा, "मैंने यह *बढती* तरंग अपने ह्रदय में देखी... " उसने कहा, "मैं बाहर गया और बोला... और कप्तान बाहर गया कि नष्ट हुए टैको की गिनती करें, और इस प्रकार आदि–आदि।" कहा, "पवित्र आत्मा ने कहा, 'वहां उस छोटी चट्टान पर जा।'" और उसने चारों ओर देखा। कहा, "उन्होंने मार्ग और क्लोरीन गैस छोड़ी थी," कहा, "और सारे पेड़ो की पत्तियां जला दी गई, कोई भी जीवित ही चीज नहीं बची और यह ईस्टर था!" उसने कहा, "क्या ईस्टर है! क्या ईस्टर है यहां तक की मैदान में घास भी नहीं, कुछ भी नहीं!" और बोला, "किसी चीज ने मुझे चट्टान की ओर आकर्षित किया, उसने उस चट्टान को खींचा वहां उसके नीचे एक छोटा ईस्टर का फूल था, उस चट्टान के नीचे था, उस सारी जहरीली गैस में से होता हुआ।" और कहा, "मैंने सोचा, 'ओह परमेश्वर, मुझे युगों की चट्टान के

नीचे रख, जब तक ये सारा जहर निकल ना जाये, और मुझे सामने उस देश में खिलने दे।'"

235 यदि आप चाहें तो हम यहां पर रुक सकते हैं, क्योंकि मेरे पास यहां बहुत कुछ है, जो भी है, मैं इस पर कभी नहीं आता इन चीजों पर, इसलिए हो सकता है, मैं फिर से वापस आ सकता हूं और आपको दूं।

236 ओह, उस दिन ये मुझे प्रचार से मिला, "*एक विचारशील मनुष्य की छलनी,*" आप सब ने यह पढ़ा है, "पवित्र मनुष्य के स्वाद को उत्पन्न करता है।" भाईयो, सोचिए। आप जो भी करते हैं, सोचिये! इफिसियों 5:26, उसमें यह कहा है।

237 और हम बात कर चुके हैं, उस *पहले से ठहराये जाने* के वचन के विषय में, देखिए, इससे बहुतों को ठोकर लगती है। यह परमेश्वर का वचन है। वह इसका प्रयोग करता है, "क्योंकि हम परमेश्वर के वचन के द्वारा ठहराये गए हैं।" और ये इसमें हम... जब आप पहले से ठहराये हुए हैं, क्यों, यह तो होना था क्योंकि यह वही है, परमेश्वर, परमेश्वर ने आपको चुना है, क्योंकि वह जानता है कि आप आरंभ से क्या करेंगे।

238 और शैतान को, अपने ऊपर शिक्षा और आदि का विष ना छिडकने दे और इस प्रकार की चीजें कि, "तुम्हें आधुनिक होना है। तुम्हे *ये* होना है।" आपको कुछ नहीं होना है केवल परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों और यदि आप वचन से जन्मे हैं, आप है। ध्यान दें, वह छिड़काव यदि आप एक बीज ले एक अच्छा बीज, और आप उस पर छिडके, ये—ये इसे मार डालेंगा। और जब वे इस नामधारी को छिडकते हैं, ये चीज आपके ऊपर है तो यह मूल वचन के प्रभाव को नष्ट कर देगा। यदि वे आपको बताते हैं कि, "आपको *यह* करना होगा। क्यों, दूसरी लड़कियां यह करती है। दूसरे पुरुष यह करते हैं।" आप इसका विश्वास ना करें। ये परमेश्वर के वचन के प्रभाव को जो आप पर है, नष्ट कर देगा। आप यह जानते हैं।

239 हमारा मूल पाठ करता है, "समान ना बनो," छिड़का गया, "परंतु बदलते जाओ," वह बीज जो आप में है।

240 आज लोग ऐसा व्यवहार करते हैं, वे इतना भी विश्वास नहीं करते कि कोई परमेश्वर है। क्या आप जानते हैं। वे ऐसा व्यवहार करते हैं, अब मैं उन्हें मूर्ख नहीं कहना चाहता हूं, परंतु वे ऐसा व्यवहार करते हैं। क्योंकि भजन संहिता 14:1 कहता है कि, "मूर्ख ने अपने मन में कहा की कोई परमेश्वर

नहीं है।" आपको ऐसे व्यक्ति को मूर्ख नहीं कहना चाहिए। परंतु वे वास्तव में ऐसा व्यवहार करते हैं कि वे है, क्योंकि वे नहीं... वे ऐसा व्यवहार करते हैं कि कोई परमेश्वर नहीं। यह वचन पर ध्यान नहीं दिया।

241 इधर देखिए, उस दिन उन्होंने मुझे एक कमरे में देखने के लिए बुलाया... बिली पॉल मैं विश्वास करता हूं, या उनमें से कुछ ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम है, उस टेलीविजन पर।

242 हमारे पास टेलीविजन नहीं है, परंतु वह एक था... आप उन्हें चाहते हैं यह आप पर निर्भर करता है। परंतु परमेश्वर ने मुझे बताया कि ये ना करूं।

243 और जब हम अंदर गए, मैंने इसे अच्छी बूढ़ी बहन से घर किराए पर लिया था। और मैंने उन्हें वह धार्मिक कार्यक्रम देखने दिया, इसलिए उन्होंने—उन्होंने बुलाया, और कहा कि वहां सुसमाचार के गाने चल रहे हैं।

244 और आप आवारा लड़कों के झुंड के विषय में बात करते हैं. वहां ऐसा व्यवहार कर रहे थे जो किया और स्वयं को सुसमाचार के गाने वाला बताते है! ये यीशु मसीह के लिए खेद की बात है, देखते हुए, जिस तरह वे कर रहे थे स्वयं को हिला रहे थे, और—और ये रिकफाइड वाले बालों के ढंग, और सब कुछ आप जानते हैं यह बस—बस ऐसा जान पड़ता है कि हंसी लड़ाई जा रही है।

245 कैन एक ऐसा व्यक्ति था, वास्तव में धार्मिक, निश्चय ही। परंतु उसमें गलत बीज था, देखिए, इसलिए वह सर्प का वंश लाया। शैतान ने इस बीज पर अदन में फूंकार मारी, और यही जो कैन को लेकर आया। उसने अपना जहर उस पर डाला।

246 वह, कैन, परमेश्वर की सिद्ध इच्छा जानता था। वह परमेश्वर की सिद्ध इच्छा जानता था, कैन, यह जानता था। क्यों? उसने इसे करने से इन्कार किया, तो फिर सर्प वंश होने को सिद्ध किया। जब उसने परमेश्वर की सिद्ध इच्छा देख ली, उसने इसे मना कर दिया। उसने परमेश्वर से प्रमाणित हाबिल का संदेश देख लिया था, वह जान गया था कि वह यह परमेश्वर की इच्छा थी। समझे? उसने परमेश्वर से प्रमाणित हाबिल का संदेश देख लिया था। और परमेश्वर ने उससे क्या कहा? और वह बस उसने कहा, "वही कर अपने भाई के समान आराधना कर और—और तू

अच्छा करेगा।" परंतु क्या उसने किया... उसने परमेश्वर की सिद्ध इच्छा को देखा, परंतु उसने वह ना चाहा वह उसमें कुछ मिलाना चाहता था।

247 और इन धर्मशास्त्रियों को देखिए, यह बाईबल, वे इसे पढ़ते हैं, परंतु वे इसे करना नहीं चाहते। समझे? यह सर्प के वंश को दिखाता है। उन्होंने इसे प्रमाणित होते देखा, लोगों के सामने सादगी में, परंतु ये ऐसा लगा, लोगों को परमेश्वर के वचन के लिए नम्र होना बहुत कठिन है।

248 क्या आप सब नहीं पाते, आप महिलाएं, जब लड़कियों से बातें करती है कि लंबे बाल रखो, और वे कहती है, "आपने अपने लंबे बाल क्यों रखे हैं?" समझे? "क्यों, आप यह नीचे तक लम्बे स्कर्ट पहनती है?" आप उन से बात करे, वे एक प्रकार से आपको बढ़ावा देते हैं। क्या यह ठीक नहीं है? देखिए, वे जानते हैं कि यह ठीक बात है, यदि उनमें से कोई महिला हो। समझे? वे जानते हैं कि यह ठीक बात है। परंतु आप देखते हैं, वे इसके लिए स्वयं को नम्र नहीं कर सकते। यही, जो है।

249 देखिए कैन ने कैसे किया? उसने स्वयं को परमेश्वर के प्रमाणित वचन के प्रति नम्र नहीं किया। वह यह नहीं कर सका।

250 ओह, यहां तक कि पेंटीकोस्टल भी कहते हैं, "परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या! मैं अपने बाल काटती हूं, और अन्य भाषा बोलती हूं!" हूं–हूंह! यह ये दर्शाता है कि कहीं कुछ गड़बड़ है, देखिए, बीज कुछ भिन्न ला रहा है।

251 एक बीज नहीं सकता, परमेश्वर का बीज बाल कटी स्त्री को उत्पन्न नहीं कर सकता, ये इसे नहीं कर सकता, नहीं कर सकता, क्योंकि बाईबल ने ऐसा कहा है, देखिए, यह नहीं कर सकता। नहीं, श्रीमान।

अब यह बहुत कठिन प्रतीत होता है, कि परमेश्वर के वचन के प्रति नम्र हो।

252 अब उत्पत्ति 4:6 और 7 में ध्यान दें, यहां कुछ वचन पढ़ रहा हूं, "ऐसा ही कर जैसा हाबिल ने किया।" उसने कहा, "यदि तू—तू देखें कि तेरे भाई ने क्या... " कहा, "आगे बढ़, वही कर जो हाबिल ने किया उसी प्रकार की सेवा कर जो उसने की, और—और मैं तुझे आशीष दूंगा। यदि तू नहीं करता, तो पाप द्वार पर है।" अब *पाप* "अविश्वास" है। "जैसा हाबिल ने किया, यदि तू वैसा नहीं करता! तू ने देखा कि मैंने उसे प्रमाणित किया

और उसे ठीक किया। अब यदि आप वह नहीं करते, तो ये यह दर्शाता है कि—कि पाप, अविश्वास द्वार पर है।" समझे?

253 और आज वे देखते हैं, परमेश्वर क्या प्रमाणित करता है। वे देखते हैं कि परमेश्वर क्या कर रहा है। वे सारी चीजों को होते देखते हैं। वे इस विषय में जानते हैं। परमेश्वर अपने चिन्ह ऊपर आकाश में दिखा रहा है, और नीचे पृथ्वी में, और ये सारी चीजें इस प्रकार से है और वे देखते हैं कि क्या घटित हो रहा है। परंतु वे यह नहीं करेंगे। देखिए, शैतान, सर्प का बीज, तेज धर्म विद्यालयों से निकल कर आता है, हर शब्द के लिए शिक्षा पाई हुई है, हर, हर चीज प्रचार मंच पर खड़ी है, बिल्कुल ठीक, और हर शब्द व्याकरण के अनुसार बिल्कुल ठीक, और हर चीज। समझे? निश्चय ही, वे स्वयं को नम्र और नीचा नहीं कर सकते, इस तरह के लोग। देखिए, वे यह नहीं कर सकते। वे नहीं करते। वे यह नहीं कर सकते।

254 अब, "यदि नहीं, तो पाप द्वार पर है, और अविश्वास रखा है," तो फिर वह जानबूझ कर अनाज्ञाकारी है। "और जब आप भला करना जानते हैं और नहीं करते तो आपके लिए यह पाप है," यदि आप जानते हैं कि सही क्या है और आप यह नहीं करते है। समझे? तब वह जानबूझ कर अनाज्ञाकारी है, वचन के प्रमाणित होने के बाद तो उसने अलग होने वाली रेखा पार कर ली, तो फिर वह अदन से बाहर हो गया जब उसने यह पार किया। एक रेखा है, जहां आप कुछ दूर तक जाते हैं, और यदि आप कुछ और आगे दूसरी ओर जाते हैं, आप यह जानते हैं। क्या नहीं जानते? कि एक रेखा है। यदि आप इसका विश्वास नहीं करते आप इब्रानियों 10:26 पढ़े, यही वचन है, जिसका मैं वहां उल्लेख कर रहा हूं, देखिए।

> *क्योंकि सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के बाद... यदि हम जानबूझ कर पाप करते रहे, तो पापों के लिए फिर कोई बलिदान बाकी नहीं।*

255 ये नया नियम है। क्या यह ठीक बात है? "यदि हम जान बूझ कर पाप करे, उस प्रचार के द्वारा जो हमें किया गया, हम ज्ञान प्राप्त करते है, आपको पढाया और सिद्ध किया गया, सच्चाई का ज्ञान देखने के बाद, आप आगे बढ़ते है, और अविश्वास करते गए, जान बूझकर तो फिर पाप के लिए कोई बलिदान नहीं।"

परन्तु एक... भयानक बाट जोहना... आग की ज्वलन बाकी है, जो विरोधियो को भस्म करती।

256 क्या यह ठीक है? आप वह रेखा पार कर सकते हैं। जैसे कि इस्त्राईल के बालकों ने अपनी यात्रा में किया। उस जंगल में से निकलते हुए, इस्त्राईल ने वही किया। मूसा के संदेश सुनने के बाद और यह देखने और प्रमाणित होने के बाद झूठे नबी की सुनी, जिसने कहा, "ओह, अब देखो, बालको हम सब एक ही है, हमें एक दूसरे से विवाह कर लेना चाहिए, और हमें *यह* करना चाहिए।" और मूसा ने उन्हें भिन्न बताया और परमेश्वर को प्रमाणित करते देखा। क्योंकि बालाम मूसा से अधिक आज्ञा चलाने वाला जान पड़ता था, वह बड़े राष्ट्र से आया था, जहां महान लोग थे और सब एक साथ संगठित थे, मोआब का देश में, महान सेनाये और बड़ी–बड़ी चीजे कि लोग उन दिनों में उनसे डरते होंगे। और यहां एक भविष्यवक्ता आता है, एक भविष्यवक्ता अभिषिक्त, झूठा अभिषिक्त देखिए अभिषिक्त किए हुए के पास आया (देखिए, कितना मिलता हुआ) और लोगों को सिखाया और बहुत से उसके पीछे चले गए। आप यह कभी ना भूले। उस चीज के पीछे चले गए, जो वचन नहीं था, वह प्रमाणित सिद्ध किया हुआ वचन!

257 किसी को भी यहां ना आने दे, और आपको कुछ भिन्न बताएं ध्यान दें, परमेश्वर क्या प्रमाणित और सिद्ध कर रहा है।

258 अब यदि वे लोग पीछे मुड़कर देखें और कहे, "मूसा! परमेश्वर आकाश में प्रगट हुआ। और मनुष्य का बोला हुआ प्रगट हुआ, कुटकियां, मक्खियां, मेंढक; अस्तित्व में ले आया, फोड़े और बीमारियां। लाल सागर खोल दिया, और हम आए... और स्वर्ग से मन्ना खिलाया। ओह, यह हमारा भविष्यवक्ता है!"

259 परंतु यहां दूसरा भविष्यवक्ता आया, "परमेश्वर की महिमा हो! कि मैं भी भविष्यवक्ता हूं।" कहता है, "अब, तुम सब, मैं तुमको बताऊंगा। अब, अब तुम समझते हो, मैं मूसा से अच्छी व्याकरण प्रयोग करता हूं। और मैं *ऐसा* और *वैसा,*" आदि–आदि।

260 और पहली बात आप जानते हैं कि वे इसके लिए गिर गए। और उनमें से हर एक ठीक जंगल में नष्ट हो गए। उनमें से एक भी नहीं जीया। उन्होंने कभी नहीं किया। वे स्वर्ग में नहीं होंगे, उनमें से एक भी नहीं। यीशु ने कहा।

261 उन्होंने कहा, "हमारे बाप दादाओ ने जंगल में मन्ना खाया!" देखिए, पेंटीकोस्टल, ठीक है, देखिए, वे वास्तव में सारे अनुभवो में से निकल कर आए। और, "हमारे बाप दादाओ ने जंगल में मन्ना खाया!"

262 उसने कहा, "और वे सारे मर गए।" *मृत्यु* "अनंत अलगाव है।" वे फिर कभी फिर से नहीं उठेंगे, यधपि वे इन सारे अनुभवों में से होकर निकले थे, प्रतीकात्मक बोल रहा हूं, वे अन्य भाषाओं में बोले और आत्मा में नाचे, और सब कुछ।

263 परंतु जब बल परीक्षा का समय आया, उस बीच में, वचन का, दोनों भविष्यवक्ताओं के बीच, उनमें से एक वचन पर था और दूसरा वचन से हट कर था; वे दोनों भविष्यवक्ता थे। आप समझते हैं? तो कहे, "आमीन।" [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] एक वचन पर था, दूसरा वचन से हट कर था; वे दोनों नबी थे नबी सिद्ध हुए। परंतु एक वचन के साथ था, देखिए, अंत के दिनों झूठे अभिषिक्त। एक... भविष्यवक्ताओ, दोनों भविष्यवक्ता थे; एक वचन पर, और (एक) वचन से प्रमाणित और दूसरा वाला वचन के द्वारा प्रमाणित नहीं हुआ। फिर से कैन और हाबिल देखिए दो, झूठा—झूठा और सच्चा? ठीक है।

264 परंतु उसमें से हर एक जंगल में सड़ गए, और नष्ट हो गए। उनके प्राण मर गए, और चले गए और वे ठीक कर्तव्य के मार्ग पर थे कलीसिया में जा रहे हैं। और वे बातें जो उनके करने के लिए परमेश्वर ने ठहरायी है, परंतु झूठा शिक्षक स्वीकार किया जो कि वचन से प्रमाणित नहीं हुआ कि सही सिद्ध हो। फिर भी वह दिव्य डॉक्टर है, और वास्तविक भविष्यवक्ता के लिए आप जो भी कहना चाहे परंतु वचन के द्वारा आत्मिक सिद्ध नहीं हुआ, और परमेश्वर के चिन्ह के द्वारा। और वे जंगल में नष्ट हो गए, धर्मी, सम्मान योग्य, धर्मी लोग मर गए, और कभी भी स्वर्ग में नहीं होंगे।

265 देखिए, हमें कहां पर चलना है? समझे? [सभा "हां" कहती है—सम्पा।] इसे हाथ से जाने ना दे।

266 बिल्कुल ऐसे जैसे नूह का वचन बीज, सीधा तैरने वाले में परिवर्तित हुआ पृथ्वी से आकाश को, लोगों को यह पागलपन लगा। एक छोटा पंथ जो नूह का था। और उसने उन्हें बताया कहा, "**यहोवा यों कहता है**। परमेश्वर ने बोला है और वहां वर्षा आ रही है।"

267 विज्ञान और शिक्षित और उस दिन के धर्मी, कहा, "इस बूढ़े झोला छाप को देखो। यह बूढ़ा हो रहा है, उसका मस्तिष्क ठिकाने नहीं।"

268 देखिए, परंतु यह ठीक था, क्योंकि वह प्रमाणित भविष्यवक्ता था। और फिर अंत के समय उसका संदेश सच में, प्रमाणित हुआ। वह क्या करेगा? वह पृथ्वी से महिमा में परिवर्तित हुआ, एक वचन की नाव के द्वारा, जिसका वह प्रचार कर रहा था। यह बदल गया था।

269 विज्ञान के छिड़काव ने उन बाकियों को न्याय में जाने को सड़ा दिया। वे न्याय के पानी पर सड़ गए, बाढ के।

270 इस महान विज्ञान के युग में, जो शिक्षा का है, लोग आज क्या करने का यत्न कर रहे हैं, अदन की कलीसिया, वापस फिर अदन की ओर आ गई, वैज्ञानिक परिस्थितियां, बजाये वचन के? क्या आप परमेश्वर के वचन को ऊंचा उठा रहे हैं? क्या लोग परमेश्वर के वचन को ऊंचा उठाने का यत्न कर रहे हैं या वे स्वयं को ऊंचा उठाने का यत्न कर रहे हैं? यह कौन सा है? आश्चर्य है?

271 कलीसिया, उसका बिगड़ा हुआ बीज: ज्ञान की योजना ही कारण है, कि समस्त जाति विज्ञान के द्वारा, परमेश्वर के वचन के वैज्ञानिकता में, अज्ञानता। वैज्ञानिकता में परमेश्वर के वचन की अनदेखी, यह बहुत बड़ा पाप! क्या नहीं? परंतु, वे है।

कहिये, "यह नहीं हो सकता"?

272 यह था जब यीशु आया। उस दिन जब यीशु आया, वे लोग परमेश्वर का वचन जानते थे, केवल अक्षरों के द्वारा। क्या नहीं? निश्चय ही। परंतु वे इस बात से अज्ञान थे कि वह कौन था जब उन्होंने परमेश्वर को पंडुकी के पंखों पर देखा, और हुआ और ठीक वही करता है जो उसने कहा था कि वह करेगा। और उसने वह किया जो वचन ने कहा, "यदि मैं अपने पिता के कार्यों को ना करूं तो फिर मेरा विश्वास ना करो।" परंतु उसने वही किया, जो वचन ने कहा था कि वह करेगा, और उन दिनों में वे लोग, वैज्ञानिक लोग थे, परंतु वैज्ञानिकता की अज्ञानता की जानबूझ कर पाप करें।

273 कामुकता ने अंधा कर दिया। उन्हें आवश्यकता थी कि उन्हें परमेश्वर का वचन दिखाया जाये, उसकी नग्नता दर्शाने के लिए। प्रकाशितवाक्य 3 में कहा, "मैं तुझे सम्मति देता हूं कि मुझसे आंखों का सुरमा खरीद ले कि तेरी आंखें खुल जाये, ताकि तू अपने नंगेपन को देख सके।"

274 सुरमा परमेश्वर का वचन है, आंखों की चंगाई जो कि आपको संसार की स्वाभाविक वस्तुओं से ले आकर और आपको परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा, उसकी उपस्थिति में परिवर्तित करता है। तब आप देखते हैं! आप कहते हैं, "एक बार मैं खोया हुआ था, अब मैं मिल गया हूं, मैं अंधा था, परन्तु अब मैं देखता हूं।" देखिए, यह भिन्न होगा।

275 यही जो आज जिसके लिए कलीसिया को बुलाया गया है, "मैं तुझे सम्मति देता हूं कि आकर मुझसे अपनी आंखों के लिए सुरमा ले ले, ताकि तू मेरे सुरमें से अभिषिक्त हो जाये और फिर तू देखेगा।"

276 पवित्र आत्मा को किसी भी व्यक्ति पर आने दे, जिसके अंदर वास्तव में कुछ है, एक चंगाई अंदर से ही आती है! चंगाई आपके अंदर आत्मा में से आए जो आपके अंदर है। यदि यह वास्तविक आत्मा का अभिषेक वास्तविक बीज पर है, यह और कुछ नहीं कर सकता सिवाये परमेश्वर के पुत्र या पुत्री होने के लिए। परंतु वास्तविक आत्मा, जंगली दानों के ऊपर भी आ सकता है, वर्षा जंगली दाने पर गिर सकती है और इसे जीवित रखेगा, ठीक वैसे ही जैसे यह गेहूं को जीवित रखता है। "परंतु उनके फलों से तुम उन्हें जान जाओगे।" समझे? और हम परमेश्वर के फल के पेड़ है, उसके वचन को धारण करते हैं।

277 यीशु ने कहा, "मनुष्य अपने आप से इन्कार करें, और मेरे पीछे हो ले, अपने शिक्षा का इन्कार करें, ज्ञान का इन्कार करें, अपनी डिग्री का इन्कार करे; अपना क्रूस उठाएं और मेरे पीछे हो ले।"

278 लोगों ने अपनी मर्यादा के साधारण विचार खो दिए, मैं यहां थोड़े से वचन नीचे दे रहा हूं, इस पर मैं स्वयं को पांच मिनट के लगभग दे रहा हूं, दस। लोग एक दूसरे के बीच में साधारण मर्यादा खो चुके हैं, ये वैसे नहीं रहे, जैसे हुआ करते थे, उम्रदार मनुष्य, भाइयों और मैं यहां, जानते हैं और स्त्रियां। लोग वैसा व्यवहार नहीं करते ऐसा किया करते थे। वे अपनी साधारण समझ खो बैठे। दिमागी प्रभाव—दिमागी प्रभाव यह लोगों के आधुनिक वैज्ञानिक दिनों जिनमें हम जी रहे हैं, लोगों के प्राकृतिक स्वाभाविक कारणों से। वे किसी का सम्मान नहीं कर सकते एक स्त्री एक बहन के समान और एक भाई यह कुछ गंदा है। जैसे वे...

279 और स्त्रियों को अपने इतने अनैतिक वस्त्र पहनने होते हैं कि बाहर लोगों के मध्य में जाएं और वे कहते हैं, "मैं एक अच्छी स्त्री हूं।" भाई, उसने

स्वयं अपने लिए बाहर इस प्रकार से पहन रही है। किसलिए? वह अंधी हो गई। ठीक है, यदि—यदि आपकी... यदि यहां कोई बहन, छोटी आयु की, यदि आपकी मां या मेरी मां बाहर सड़क पर चली जाये और इस प्रकार की स्त्रियों के समान वे उसे पागल खाने में डाल देंगे, उसके पास इतनी भी बुद्धि नहीं कि जाने अपने कपड़े पहने। ठीक है, यदि यह तब पागलपन था तो यह पागलपन है यह अब भी उसी प्रकार कि स्त्री है। समझे? परंतु वे अपनी सारी शालीनता खो बैठे, अपनी सारी समझ, वे अपना खो चुके हैं और आधुनिक समझ संस्कृति और शिक्षा के साथ, "यह होना स्वस्थता है।" यह पाप से भरा और मृत्यु है! ध्यान दें। वे लोग, ओह, वैसे नहीं जैसे हुआ करते थे। जब...

280 बहुत पहले कलिसियायी जीवन में, जब भविष्यवक्ता के पास कुछ कहने को होता था **यहोवा यो कहता है** और लोग आगे बढे। वे ठीक इसके साथ बने रहते, वे बढ़े। परंतु अब, "मैं उस व्यक्ति को पसंद नहीं करता। उसे बाहर कर दो।" ओह, समझे? ऊह। देखिए, उनके पास अधिक समय नहीं है, लोग अब परमेश्वर के आत्मा से और अधिक प्रभावित नहीं होते।

281 परमेश्वर का आत्मा उसका वचन है, और उसका वचन उसके भविष्यवक्ता के पास आता है, और वचन को आपको परिवर्तित करना चाहिए वह जो संसार की चीजें हैं उससे परमेश्वर के पुत्रों और पुत्रियों की सूरत में। और वचन केवल इन भविष्यवक्ताओं के द्वारा आता है, जैसे वे बोले और इसे वचन के साथ मिलना चाहिए और यह दर्शाता है कि यह वचन था। तब यदि आप उस वचन को स्वीकार करते हैं, यह आपको बदल देगा; परमेश्वर के पुत्र और पुत्री... याने संसार के पुत्र से, संसार की पुत्री से, परमेश्वर का पुत्र, पुत्री।

282 अपने को यहां देखे कितनों के पास यह अनुभव है? हम में से हर एक को। हमारे पास यह अनुभव था। क्योंकि यह बोला गया, इसका विश्वास किया, गया, वचन आया और ह्रदय में डाला गया, और यह वहां बढ़ गया। समझे?

283 स्वयं को बदल रहे हैं, उसका पवित्र आत्मा बीज वचन को इसकी समानता में बदलता है। जैसे कि यदि आडू का वृक्ष आडू उगाता है, एक सेब का वृक्ष सेब, इस प्रकार की चीजें; उसका वचन परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों को ले आएगा। यही जो इसको करना है।

284 एक दिन जब संसार अंधकार और उथल–पुथल में फिर से पड़ा है, परमेश्वर का आत्मा उस पर मंडराया उन पहले से ठहराये बीज पर एक ठहराया हुआ बीज। पहले से ठहराया हुआ, यह बदल गया था। इसने यशायाह 9:6 को लिया।

285 अब वह भविष्यवक्ता वहां खड़ा हुआ है, क्या ही एक—एक मनुष्य है, जो राष्ट्रों और लोगों पर मंडराया। उसके दिनों के धर्मी लोगों ने उस पर विश्वास किया, उन सब ने नहीं उन्होंने कभी नहीं किया। परंतु यह भविष्यवक्ता उन्होंने इस मनुष्य को बातें बोलते देखा, और यह बिल्कुल ठीक था, जो उसने कहा, यह सिद्ध था, और वह घटित हुआ। और यहां इस मनुष्य को अपने लोगों के सामने खड़ा होना है, और कहता है, "एक कुंवारी गर्भवती होगी," ओह तर्कहीन है। परंतु आप देखिए परमेश्वर ने यह स्वयं नहीं बोला, ये वह अपने भविष्यवक्ताओं में से होकर बोलता है। अब इस विषय में बाईबल में कुछ भी नहीं लिखा था परंतु यह भविष्यवक्ता उठा और बोला, "एक कुंवारी... " यशायाह 9:6 में, "हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया; उसका नाम 'युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, सदा काल का पिता कहलाएगा।'" अब यदि "एक कुंवारी गर्भवती होगी," यह वचन बोला गया जो कि एक जीवांश है, एक भूमि वहां होनी चाहिए कि उसे स्वीकार करें, किसी दिन। उसने राष्ट्र में ढूंढा वहां कोई नहीं था, वह राष्ट्र से होकर निकला, वहां कोई नहीं।

286 और जल्द ही आठ सौ वर्षों के बाद उस पहले से ठहराये हुए बीज ने तैयार भूमि पाई, वह बढ़ने लगी।

287 जैसा कि परमेश्वर ने आरंभ में किया, "उजियाला हो जाये" और हो सकता है आठ सौ वर्षों पश्चात उजियाला आया, "एक पेड़ हो जाये," और भी फिर इस प्रकार से आया, हर चीज जो उसने कहीं।

288 यह पहले से ठहराया हुआ बीज है, *इम्मेनुएल* को लेकर आ रहा है, "परमेश्वर हमारे साथ।" "और उसे अन्य जातियां खोजेगी," और वह जिसे हम आज खोजते हैं, यीशु। आप पहले से ठहराये हुए बीज को देखते हैं।

289 शैतान ने इस पर छिड़कने का यत्न किया। जैसे हवा से किया, उसने छिड़कने का यत्न किया, परंतु वह असफल रहा। *यहां* ये उसके विकर्षक के साथ, वह पहले से ठहराया हुआ बीज था। वे उसे अंदर ना ले सके कि उसे फरीसी का या सदूकी बनाए, वे उसे ना बना सके कि उस किसी संगठन

से है। वह परमेश्वर का ठहराया हुआ, बोला गया वचन था। शैतान अपना अविश्वास उस पर नहीं फेक सका। उस पर एक विकर्षक था।

परमेश्वर हम पर विकर्षक छिड़क, यह मेरी प्रार्थना है। यह ठीक बात है।

290 तब आत्मा उस पर मंडराया, और उसे कलवरी पर भेजा कर, क्रूस पर, कि इस दिन में उजियाला लाए, और उन सब पहले से ठहराये हुए बीजों पर उजियाला लाए, आज की कलीसिया पर परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों को बदल कर, अपनी उपस्थिति में लाएं।

291 "पहले से ठहराये हुए" वचन से ठोकर ना खाए। देखिए, मैंने इसका अध्ययन किया। मैं आपको इफिसियों 1:5 दिखाना चाहता हूं।

292 देखिए, जैसे आप दिखे थे, जैसे कि आप अपने पिता में थे, जैसा मैंने उस रात्रि कहा था, जैसे कि आरंभ में आप अपने पिता में थे। यदि आप नहीं थे, तो आप यहां नहीं होते। परंतु, आप देखिए, इसे तो उपजाऊ भूमि में जाना ही है ताकि उगा कर लाए, और अब आप उसके पुत्र हैं। और आप उसकी पुत्रियां है, देखिए, यह एक बीज है। और फिर यदि आप कभी...

293 यदि आप एक मसीही है, एक वास्तविक पहले से ठहराया हुआ बीज, आप परमेश्वर में थे, इसका पहले कुछ था... आप सदा से उसमें है। आपके जीवन का जीवांश जो कि परमेश्वर का गुण है, जो कि उसका विचार था।

294 उदाहरण के लिए, यह सुंदर महिला *यहां* पर बैठी है। परमेश्वर ने कहा, "उस दिन में एक लड़की होगी, उसका नाम *अमुक–अमुक* होगा। वह, *ऐसी, ऐसी* होगी और *यह,*" और यहां तक की इस घड़ी को जानता है, "वह बैठेगी और संदेश को सुनेगी और लाल वस्त्रों में होगी।" देखिए, यह उसका विचार था। आपका पति जो कोई भी है, और वह जो भी है, और वह इसे मिला देगा; और तुम यहां बैठोगी, इस नगर में—में इस नगर में इस दिन। आपके पास कोई विधी नहीं है कि आप इसे असफल कर सके, देखिए, क्योंकि आप बढ़ रहे हैं और जब तक आप अंदर से बीज है, बढ़ रहे हैं, और आपको जो बीज ने कहा, उसी को उत्पन्न करना है, आप करेंगे। बिल्कुल ठीक। यह उसका वचन है; वह अपने वचन को बनाए रखता है, वह इसका ध्यान रखता है।

295 आप अपने पिता में जीवांश के समान थे, और आप एक पुत्री के रूप में आए, आप, आप आप में से प्रत्येक भाई और बहन, आप सामने आए। यदि आप अपने पिता में नहीं थे, तो आप यहां पर नहीं होते।

296 और यदि आप परमेश्वर में नहीं थे... यदि आप बाईबल के संदेश का विश्वास करते हैं, और दिन के वर्तमान संदेश का, इसके प्रमाण का, कारण है कि आप यहां बैठे हैं, क्योंकि आप यहां बैठने के लिए पहले से ठहराये गए हैं, नहीं तो आप यहां पर नहीं होते, आप हो सकता है, सड़क पर आप पिए हुए होते आप में से कुछ और आप में से कुछ किसी दूसरे मनुष्य की स्त्री के संग इधर–उधर घूम रहे होते और आप स्त्रियां बाहर, विवाहित, और किसी दूसरी स्त्री के पति के संग घूम रही होती या कुछ ऐसा ही। देखिए, परंतु आप यहां बैठने के लिए ठहराए गए। आप कुछ नहीं कर सकते, आपका एक पिता है, वह परमेश्वर है और आप उसका बीज थे।

297 और जब वह एक स्थान पर आता है, और वह आपको आता है जहां... तो फिर आप उसमें थे, एक विचार के समान, अब आप एक व्यक्ति है, जो उसके साथ संगति कर सकता है। समझे? जैसा कि आप आरंभ में अपने पिता में थे, परंतु अब आप पुत्र और पुत्रियां हैं ताकि आप अपने माता–पिता के साथ संगति कर सके। अब आप परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां है, जो अपने पिता के साथ संगति कर सकते हैं, परमेश्वर के, देखिए, यह कितना सुंदर है क्या आप इसे पसंद नहीं करते? [सभा कहती है, "हां"—सम्पा।] तब आप उसके समान हो जाते हैं। और यदि हम पुत्र हैं, तो हम उसके सहज गुण है, और उसके रूप में आरंभ में थे।

298 और स्मरण रखें, यदि आप उसमें आरंभ से थे; और जब यीशु, जो कि परमेश्वर है, वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच वास किया; तो फिर आप उसमें थे और अपमान में, उसके साथ जो उसने स्वीकारा। आप उसके संग कलवरी पर गए, उसके अंदर। आप उसके संग कलवरी पर गए, उसके अन्दर, आप उसके अन्दर मर गये, आप उसमे जी उठे। और अब आप मिल कर स्वर्गीय स्थान में बैठे हैं, उसमें। समझे?

299 यदि मैं एक अमेरिकन हूं, तो मैं इसके बदनामी में खड़ा हूं, मैं इसकी महिमा में खड़ा हूं। ये जो भी है, जो भी था, मैं—मैं एक अमेरिकन नागरिक हूं। मैं था... मैं प्ले माऊथ रॉक पर उतरा, जी हां श्रीमान, जी हां मैं प्ले माऊथ रॉक पर उतरा। मैंने हस्ताक्षर किए... उस प्रात: में उस भवन में था, जहां उन्होंने स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर किए, मैंने उसके संग हस्ताक्षर किए, मैं इसकी अर्थव्यवस्था का भाग हूं, मैंने घोषणा याने स्वतंत्रता पर हस्ताक्षर किए, यह ठीक बात है। मैं फोर्ज घाटी में वाशिंगटन के साथ

था, जब उसने नदी को पार किया। उस प्रात: में वहां था। मैंने उसके संग प्रार्थना की। मैं था। आप एक अमेरिकन के समान, यदि आप एक अमेरिकन है, तो आप थे, क्योंकि हर चीज जो अमेरिका है आप है। मैंने ग्वाम पर झंडा—झंडा फहराया। यह करने में मैंने सहायता की। मैंने हर किले को ले लिया। मैंने उसकी लज्ञा धारण की, एक क्रांतिकारी के समान ये जो कुछ भी है मैं हूं।

300 और जो कुछ भी मसीह था, मैं हूं, जो वह है मैं हूं। ओह, परमेश्वर! यदि वह धर्मांध समझा गया, तो मुझे ऐसा ही होना है। यदि वह एक—एक था, एक बालजाबूब उसके कार्य उसके आत्मा के, तो मैं भी। वह जो भी था, मैं हूं। वह जो भी था, आप है।

301 हमें उसके अनैतिकता के बनाने वाले होना चाहिए, उसकी स्वतंत्रता के, या उसकी लोकप्रियता उसकी महिमा या उसकी लज्ञा हमें वही होना चाहिए।

302 हमें कलीसिया होना चाहिए। यीशु मसीह की दुल्हन, मैं उसके संग पृथ्वी पर रहा, जब वह रहा। मैं उसके संग मरा जब वह मरा। मैं उसके संग जी उठा जब वह जी उठा। मैं संग हो गया, और मैं उसके संग बैठा हुआ हूं, अब उन स्वर्गीय स्थानों में क्योंकि मैं उसका भाग हूं। वह जहां भी है, वहां मैं हूं। "जहां मेरा दास है, वहां मैं भी होऊंगा।"

303 अब वह हमारे संग संगती कर सकता है, और हम में होकर और उसका बाकी वचन हमारे साथ, जो कि हम उसके वचन का भाग है, हम... यदि वह वचन है, और हम उसका भाग है, तो हम वचन का भाग है।

304 मेरे पास एक हाथ है, और मैं कैसे इन्कार कर सकता हूं? कोई मतलब नहीं, कोई मूर्ख कितने बहाने बनाए कि कोई विज्ञान कहेगा कि—कि मेरे पास हाथ नहीं है; मेरे पास हाथ है! मैं जानता हूं, मेरे पास हाथ है। मैं इसका प्रयोग करता हूं।

305 मैं जानता हूं मेरे पास परमेश्वर है। मेरे पास एक बचाने वाला है। मैं अपने प्राण में उसका अनुभव करता हूं, मैं उसका भाग हूं, यही जो वचन कहता है, यही जो मैं हूं। और यदि मैं *इसके* एक भाग का इन्कार करूं, ये ऐसा ही होगा कि मैं इन्कार करूं, मेरे पास हाथ है, कान है, आंख है, मैं यह नहीं कर सकता और अपनी सही मनोअवस्था में मनुष्य बना रहूं; ना ही मैं परमेश्वर के वचन का इन्कार कर सकता हूं और अपने सही में

बना रहा हूं, परमेश्वर के सही आत्मा में। मुझे वही लेना है जो नामधारी कहता है, या जो परमेश्वर ने इसके विषय में कहा। समझे? आप यह नहीं कर सकते।

306 अब, "बदल जाना।" वह हमें अपने वचन के द्वारा बदल सकता है, जिस पर हम टिक सकते हैं, क्योंकि हम इसका एक भाग है।

307 अब मेरे स्वाभाविक जन्म के विषय में बहुत सी बातें हैं, मेरे स्वाभाविक जन्म में बहुत सी बातें हैं जिन पर मैं घमण्ड कर सकता हूं। मैं आपको बताता हूं, मेरे पास घमंड करने के लिए कुछ नहीं है। मेरी मां पापी थी, आरंभ से; मेरे पिता पापी थे। और वे उस झुंड से आये थे, घात करने वाले, बंदूक से लड़ने वाले और उनमें से अधिकांश अपने जूते पहने–पहने मर गए, पियक्कड़ और घुमक्कड़ और सब कुछ उस केन्टकी से। मेरी मां आधी इंडियन। और मेरे—मेरे पास घमंड करने को कुछ नहीं है। मैं अपने परिवार वंश पर घमंड नहीं कर सकता।

308 परंतु परमेश्वर की महिमा हो, एक चीज है जिस पर मैं घमंड कर सकता हूं, मेरा दूसरा जन्म, जो कि यीशु मसीह से आता है। मेरे पास जो अभिभावक है उस पर घमण्ड कर सकता हूं, क्योंकि वह मेरा पिता है। वह मेरा बचाने वाला, वह मेरा छुड़ाने वाला, हर चीज, जो उसकी है उस पर घमण्ड कर सकता हूं जो उसने मेरे लिए किया, क्योंकि अब मैं उसका पुत्र हो गया हूं। अब मैं चार्ल्स ब्रन्हम का पुत्र नहीं रहा, मैं यीशु मसीह का पुत्र हूं। यह ठीक बात है। अब मैं अपने जन्म पर घमण्ड कर सकता हूं। मैं अपने पहले जन्म पर घमण्ड नहीं कर सकता, उसमें कुछ नहीं है, मुझे उससे लज्जा आती है, मैं अपने दूसरे जन्म पर लज्जित नहीं हूं। नहीं, नहीं, मैं अपने दूसरे जन्म पर लज्जित नहीं हूं। उसने यह कैसे किया? वचन के जल से धो देने के द्वारा, यह ठीक बात है।

309 सच्चे पहले से ठहराये हुए विश्वासी वचन के साथ बने रहते हैं, और वे इसे दूषित नहीं करेंगे यह दूषित नहीं हो सकता। ओह, परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों हम क्यों नहीं, यह महान संगति, जो हम ने होनी चाहिए परमेश्वर के सारे पुत्र और पुत्रियों में? यह हमारे पास होना ही चाहिए। परंतु वे इसे नहीं करेंगे, बस यही है, क्योंकि वे सच में पुत्र और पुत्रियां नहीं...

310 देखिए, जैसा मैंने उस रात्रि कहा, मैं करने जा रहा था... यह मैंने यहां लिख रखा है, परंतु इसे लेने के लिए मेरे पास समय नहीं। मैं इसे छोड़ने जा रहा हूं अब छोड़ता हूं।

311 वह छोटा सा अंदर के अंदर जहां आप आरंभ करते हैं, जो कि आपका *प्राण* है; तब वहां से आता है, आप एक *आत्मा* है; तब आप एक जीवित *प्राणी* हो जाते हैं। अब जीवित *प्राणी* के पांच चेतनाये होती है कि संपर्क करें; दू*सरे* के पांच चेतनाये है। यह बाहर की देह; देखना, चखना, अनुभव, सूंघना और सुनना। अंदर की देह में प्रेम विवेक और आदि–आदि पांच चेतनाये। परंतु अंदर के अंदर जो नियंत्रण मिनार (टॉवर) ये या तो परमेश्वर या शैतान है।

312 और आप इन में से किसी भी चीज की नकल कर सकते हैं, आप संपर्क कर सकते हैं, जैसे–जैसे, जैसे एक मसीह है; या आप प्रेत आत्माओं को निकाल सकते हैं, एक मसीह के समान। परंतु भीतर के नियंत्रण मिनार, वह आरंभ, वह वास्तविक मूल परमेश्वर का नहीं है यह कभी भी परमेश्वर के पास वापस नहीं जायेगा। आप इसे समझते हैं? क्या यहूदा ने शैतान को नहीं निकाला? क्या कैफा ने नहीं किया, वह जिसने उसे दोषी ठहराया, और मरने को ठहराया यहां तक कि भविष्यवाणी? परंतु वह वचन के साथ टिक नहीं सका। समझे? यह ठीक बात है।

313 कलीसिया और संसार से बदलकर परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों में। अब इस पर ध्यान दें, मैं बंद कर रहा हूं।

314 अब कैसे परमेश्वर के पुत्र भटक रहे हैं, संसार में भटक रहे हैं, उनमें से कुछ *इस* नामधारी उस नामधारी में, जैसे भटकने वाले तारे, कभी भी स्थिर नहीं। जैसे वसंत में, पत्ता पानी पर, लियो हम देखा करते थे। वहां पूर्व में पत्तियां नीचे उड़ती हुई आती, और हर हवा का छोटा झोंका उन्हें *इधर, उधर* उड़ाता।

315 परमेश्वर चाहता है कि हम स्थिर रहे। "यीशु में लंगर डाले हुए, जीवन के तूफान में, मैं साहसी रहूंगा। यीशु में लंगर डाले हुए, मुझे किसी हवा और लहर का भय नहीं," देखिए, यह जो भी है। आप में से बहुतों को याद होगा, वह छोटी लबादे वाली घंटी, जब आप विद्यालय में थे, लड़के और लड़कियां विद्यालय में।

316 अब्राहम और साराह की देह बदल गई, ताकि उस प्रतिज्ञा के वचन की स्थिति से मेल खाए। देखिए, वे बूढ़े थे, अब्राहम और साराह ने वह प्रतिज्ञा पाई और जब वह पच्च्त्तर वर्ष का था वह पैसठ की थी, रजोनिवृत्ति हो चुका था; वह उसके संग जब वह लड़की थी, रह रहा था उसकी रिश्ते की बहन थी। और उस प्रतिज्ञा को बनाए रखने के लिए उन दोनों की देहे बदल गई थी, उस बूढ़े पुरुष और स्त्री से, एक युवा पुरुष और स्त्री में कि उस दिन की प्रतिज्ञा को पाएं।

317 परमेश्वर की महिमा हो! इससे मुझे सुखद अनुभव होता है। समझे? मैं चिंता नहीं करता कि मैं क्या था, मैं चिंता नहीं करता कि मैं कैसे यहां पर आया, हम आज की प्रतिज्ञा को पाने के लिए रूपांतरित हो सकते हैं। जब, हम एक साथ एकता और पवित्र आत्मा के मिठास में रह सकते हैं, और भाइयों और बहनों के समान जी सकते हैं।

318 हनोक, उसकी संपूर्ण देह रूपांतरित हो गई, परमेश्वर में एक प्रतिरूप के लिए और वह स्वर्ग को उठा लिया गया, यहां तक कि बिना मृत्यु को देखें, हनोक था, ऐलिय्याह ने यहीं किया।

319 यीशु की देह मरे हुए से बदल गई थी, ठंडी सी, पिलपिली, तब तक पीटा गया जब तक उसको कुचला कि उसकी पसलियां पीठ में ना सट गई। और—और उसका ह्रदय भाले से आर–पार छेदा गया, सम्भवत: *इतना* चौड़ा, उसके ह्रदय के आर–पार, और लहू और पानी आया, यहां तक कि उसकी देह से नमी खत्म हो गई और लहू भाले पर बह गया, और उसके पैरों से और भूमि पर टपका। और इतना मरा, जब तक कि चांद और सितारों ने कहा कि वह मरा था, पृथ्वी ने कहा वह मरा था; तंत्रिय दंडवत किया चट्टाने पृथ्वी में से हिल गए और सब चीजें, हर चीज ने कहा, वह मरा था, यहां तक कि परमेश्वर ने अपना मुंह छुपा लिया। वह मर गया था। परंतु उसकी देह बदल गई थी। क्यों? क्योंकि परमेश्वर ने कहा, "मैं उसका प्राण अधोलोक में नहीं छोड़ूंगा, ना ही मैं अपने पवित्र को सड़ने दूंगा।" इसे करने की कोई विधि नहीं थी।

320 इन्हीं दिनों में हमारी देहे बॉक्स में लिटाई जा सकती है। हम आ सके... आप आ सकें, और मुझे बॉक्स में लेटे हुए देखे। मैं आपको देख सकता हूं, आपके लिए अंतिम शब्द कह सकता हूं या कुछ इसी तरह से, परंतु आप हमें कभी भी कब्र में नहीं रख पायेंगे। वे आपके ऊपर पत्थर रख सकते हैं।

वे आपको समुद्र में दफन कर सकते हैं। वे जो भी चाहे कर सकते हैं, परंतु परमेश्वर की रूपांतरण वाली शक्ति...

321 दूसरे थिस्सलुनीकियों में कहा, "भाइयों मैं नहीं चाहता कि तुम अज्ञान रहो, उनके विषय में जो सोते हैं, क्योंकि हम तुमसे भी कहते हैं प्रभु की आज्ञाओ के द्वारा कि परमेश्वर की तुरही फूंकी जायेगी, और जो मसीह में मरे हैं, पहले जी उठेंगे; हम जो जीवित और बचे रहेंगे," जैसे कि इस प्रात: गाने ने कहा, "उसके साथ ऊपर उठा लिए जाएंगे कि प्रभु से हवा में मिले।"

322 परमेश्वर की रूपांतरण वाली शक्ति, हमसे विज्ञान और शिक्षा के दुर्व्यवस्था में ले ली गई और संसार की बातों में, और इस आधुनिक दिन की समझ में, अब हमें परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों में बदलती है। यहां तक कि मृत्यु स्वयं हमें पकड़ कर नहीं कब्र में नहीं रख सकती। "हम क्षण भर में बदल जाएंगे पलक झपकते ही।"

"ओह, आपके कहने का अर्थ? "

323 मेरे कहने का अर्थ है कि यह सत्य है! यीशु, वह वचन पृथ्वी पर खड़ा हुआ, जो कि वचन था, और वही जो जी उठा और लाजर को जिलाया। उसने कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं, वह जो मुझ पर विश्वास करता है, यधपि वह मर जाये तो भी वह जीएगा, और जो कोई जीता और मुझ में विश्वास करता कभी नहीं मरेगा।" कोई विधी नहीं है कि परमेश्वर के जीवते वचन को रोके, इसे फिर से जी उठना है।

324 और इस आधुनिक विज्ञान के अदन के उपद्रव में, जिसमें हम जी रहे हैं, सांस्कृतिक का और—और विज्ञान का और शिक्षा, ये सारे आधुनिक चीजे हम उठेगे!! "यह मांस का पहनावा हम उतार देंगे, और हम अनंत उपहार को पकड़ लेंगे," किसी दिन। हम हवा में से होकर निकल जाएंगे, और यह समाप्त हो जायेगा। क्योंकि परमेश्वर का वचन, जो हमारे पास हमारे मस्तिष्क के आधुनिक विचार से आया, हमारे मस्तिष्क को परमेश्वर की ओर हमारे ह्रदय को नया कर रहा है, और हमारे आत्माओं को; वही आत्मा जिसने यह कहा, उसने हमें यहां तक बदल दिया, और यह हमें परमेश्वर की उपस्थिति में भी ले आएगा, उसकी महिमा में, महिमामय देह के साथ।

325 "वे घर बनाएंगे, वे उनमें रहेंगे, वे दाख की बारी लगाएंगे।" हमारी सारी वैज्ञानिक खोज में हम एक बाग लगाते हैं हमारे पुत्र आते हैं और उससे फल लेते हैं, और उसके पुत्र आते, और उससे लेते हैं। वे लगाते और दूसरे खाते हैं और वह बनाते और दूसरे रहते हैं। "परंतु मेरे दासो के दिन इतने लंबे होंगे, वहां वे अपने बालकों के साथ होंगे। वे बनाएंगे और दूसरे उसमें ना रहेंगे, वे बोयेगे और उसमें से दूसरा कोई नहीं खाएगा।" क्या? वही परमेश्वर वही भविष्यवक्ता जो कि परमेश्वर के वचन ने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी," हम से यह प्रतिज्ञा की!

326 हम इसे कैसे पाते हैं? सम्भवित रीति में हम वहीं है, देखिए, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा ही कहा है। यह होना ही है। जब उसने वहां लाजर को जिलाया, कहा, "मत सोचो कि यह विचित्र है, क्योंकि वह घड़ी आती है कि वे सब जो कब्रों में है, मनुष्य के पुत्र का शब्द सुनेंगे, और बाहर आएंगे; कुछ लज्जित होने को और कुछ जीवन के लिए।"

327 यह क्या है? बदलना–बदलना परमेश्वर के वचन के द्वारा, हमें परमेश्वर का पुत्र और पुत्री बना रहा है, और आने वाले संसार में, हमें जीवन भी दे रहा है। ओह! मैं और क्या कह सकता हूं? दूसरी बातों को ना सुने।

संसार की व्यर्थ वस्तुओं का लालच ना करें,
जो जल्द ही नष्ट होती है,
अनंत बातों पर अपनी आशा रखें,
वे कभी समाप्त न होगी।

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथों को थाम ले (आईये हम इसे गाये!)
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथों को थाम ले! (अब *यह* है)
अपनी आशा अनंत बातों पर रखें,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़े!

जब हमारी यात्रा पूरी हो जाये,
यदि हम परमेश्वर के प्रति सच्चे रहे,
तो महिमा में हमारा घर चमकदार और पवित्र,
हमारा उठाया हुआ प्राण इसे देखेगा।

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथों को थाम ले! (और रूपांतरित हो जाये!)
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थाम ले!
अपनी आशा अनंत बातों पर रखे,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथों को पकड़ ले!

328 विज्ञान पर ध्यान ना दें, यह क्या सिद्ध कर सकता है, यदि यह वचन के विरोध में है। समझे? कलिसिया पर ध्यान ना दें, वह क्या कहती है, यदि यह वचन के विरोध में है।

क्योंकि हम परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथों को थामे हुए हैं!

329 समय बदलते हैं, विज्ञान बदलता है। उस हाथ को पकड़ ले जो नहीं बदल सकता!

अपनी आशा अनंत बातों पर रखे,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथों हाथ को पकड़ रखे।

330 पिता परमेश्वर, जैसे कि हम आप की उपस्थिति में, हम सब आज प्रात: जमा है, एक लम्ब विस्तृत संदेश ग्रहण कर रहे हैं, और ओह, प्रभु, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप इन लोगों के हृदय में बीज को डालेंगे। प्रभु स्मरण रखे, हम प्रार्थना करते हैं कि हम निर्बल है, हमारी बनावट निर्बल है, और हम... कभी–कभी हम नहीं जानते कि हम कहां जाएं। प्रिय परमेश्वर, आप हमें मोड़े और हमारी अगुवाई करे, तेरे महान पवित्र आत्मा के द्वारा करें प्रभु हमारी सहायता करें। हमें कभी भी अकेला ना छोड़े पिता, आपने प्रतिज्ञा दी है कि आप नहीं छोड़ेंगे, "मैं तुझे कभी नहीं छोड़ूंगा, ना ही तुझे त्यागूंगा। मैं तेरे संग रहूंगा।"

331 और पिता परमेश्वर हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे भाई लिओ और जीन की अगुवाई करें। प्रभु, उन्हें इस प्रकार का अगुवा बनाएं कि आप इन लोगों पर ठहराये; वे अपने विचार ना प्रयोग करें, परंतु वह महान पवित्र आत्मा उनका निर्देशन करें कि क्या करना है।

332 इन पुरुषों और स्त्रियों को आशीषित करें, इन बालकों को, जैसे प्रभु मुझे में। और मैं—मैं—मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें लंबा जीवन देंगे। होने दें, यदि यह संभव हो प्रभु हम उसके आगमन को देखने पाये, हम विश्वास करते हैं कि हम क्योंकि हर चीज को बहुत ही समीप देखते हैं। यह

बहुत ही समीप है! पिता, इसे प्रदान करें। हम इन्हें आपको समर्पित करते हैं, अपने साथ अब कि आपकी सेवा यीशु नाम में करें। आमीन।

मुझे खेद है मैंने आपको अधिक समय तक रोके रखा, भाई लाओ।

रूपांतरण की शक्ति HIN65-1031M

(Power Of Transformation)

यह सन्देश हमारे प्यारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 31 ऑक्टोबर, 1965 को पाइन लॉन ट्रेलर पार्क पर, प्रेस्कॉट में, एरिजोना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकोर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकोर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2020 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org